

मुख्यमन्त्री नायब सिंह सेनी ने सिंगापुर कंपनियों के साथ राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस, सेमीकंडक्टर से ग्रीन एनर्जी तक निवेश पर विस्तृत चर्चा

मदद मिलेगी। कैबिनेट बैठक के
कोदीय मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र
मोदी के शासन प्रमुख के रूप में 25
साल पूरे होने पर उन्हें सम्मानित
किया। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र
मोदी ने पहली बार गुजरात राज्य
मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।
2001 से 2014 तक लगातार 13
साल गुजरात के सीएम रहने के बाद
मई 2014 से वे भारत के प्रधानमंत्री
के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं।
संसदीय लोकतंत्र में एक निर्वाचित
प्रमुख के रूप में 25 सालों तक
लगातार संवैधानिक पद पर बने रहने
का यह अपने आप में एक अनूठा
रिकॉर्ड है।

हरियाणा के हर परिवार को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा-आरती सिंह राव



आरती सिंह राव ने साझा किया कि आयुष्मान भारत हरियाणा स्वास्थ्य सुरक्षा प्राधिकरण के माध्यम से प्रवेश भर के 1,307 सुचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और चिरायु योजना के तहत अब तक 40,27,391 लाभार्थियों को सफलतापूर्वक इलाज मुहैया कराया गया है। इसके अलावा, 1.8 लाख से 3 लाख आय वर्ग में अलग-अलग तक 47,547 परिवारों को योजना का सीधा लाभ मिल चुका है। सरकार द्वारा अब तक कुल 4,61,17.45 करोड़ रुपये के वित्तों का सफलतापूर्वक निपटारा किया जा चुका है और पूरे राज्य में 1.42 करोड़ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व चिरायु का लाभ जारी किए जा चुके हैं।

प्रदर्शन के दौरान क्या हुआ था। यह कदम SIA एक्सप्रेसराइज को लेकर चुनाव के खिलाफ कई प्रदर्शनों के बाद नई दिल्ली, सेंट्रल दिल्ली और नॉर्थ दिल्ली जिलों में कड़ी सुरक्षा के बीच उठाया गया है। बड़ी संख्या में पुलिस और पैरामिलिट्री के जवान तैनात किए गए हैं, जबकि प्रदर्शनकारियों को रोके गए इलाकों में जाने से रोकने के लिए कई जगहों पर मल्टीलेयर बैरिकेड लगाए गए हैं। 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक प्रोटेस्ट के दौरान तीन महिला पत्रकारों द्वारा कथित सेक्सुअल हारैसमेंट और हाथपाशों के शिकायतों के बाद बॉन्डिंग लगाया अहम हो गया है। पत्रकारों ने आरोप लगाया कि प्रोटेस्ट के दौरान पुलिसवालों ने उनके साथ गलत व्यवहार किया। एक शिकायत करने वाली ने आरोप लगाया कि एक अधिकारी ने उसका यौन शोषण किया। एक अधिकारी ने कहा कि नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट पुलिस को शिकायतें मिलीं और उन्हें निष्पक्ष जांच के लिए काइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया। जांच एजेंसी से उम्मीद है

पंजाब सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिम्मे सूब्यान्त्री भूमगत मान के ओएसडी राजगौर घुमान और अन्य से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पंजाब के गृह विभाग के जेलिर सहाय सरकार ने विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की है। यह याचिका डायरी नंबर 62464/2026 के तहत दर्ज की गई है। ओएसडी फिलहाल लिवित है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक दिन पहले ईडी की और से पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को भेजे गए तीन पत्रों से जुड़े मामलों को सीबीआई को सौंपने का

पेरिट्रिड के साथ-साथ सरकारी टेंडरों में कथित तौर पर हस्तक्षेप कर रहे थे। एजेंसी ने इस मामले को एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। ईडी की ओर से से भेजे गए पत्रों के आधार पर पंजाब पुलिस द्वारा मामला दर्ज नहीं किए जाने के बाद अधिका नरिखल सराफ ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी। याचिका में आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच तथा कथित मनी ट्रेल की भी जांच की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच के दौरान पंजाब सरकार और पुलिस से पूर्ण सहयोग लेने का निर्देश दिया है। साथ ही राज्य सरकार और पुलिस को जांच एजेंसी को सभी जरूरी रिकॉर्ड उपलब्ध करने को कहा गया है।

नौसेना को मिलेगा पहला फ्लीट सपोर्ट पोत समुद्र में लंबे अभियानों को मिलेगी ताकत



क्षमता को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करते हैं। समुद्र में ही ईंधन और आवश्यक रसद उपलब्ध होने से नौसेना के जहाज अपने निर्धारित मिशन पर अधिक समय तक बने रह सकते हैं।

इससे लंबी दूरी के समुद्र अभियानों के दौरान परिचालन निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहें। रक्षा मंत्रालय इससे पहले विशाखापत्तनम में शीर्ष नौसेनिक कमांडर्स के साथ संवाद कर रहे। इस बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया के कमांडर ब्रिगेडियर आर. शंकर ने रायपुर स्थित लोक भवन में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका से मुलाकात की।

चीफ इलेक्शन कमीशनर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR को वापस लिए जाने की मांग के साथ इंडिया गठबंधन के नेता संसद भवन से लेकर निर्वाचन आयोग तक पैदल मार्च पर निकले हैं। इस मार्च में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश और अन्य दलों के कई बड़े नेता शामिल हूँ। राहुल गांधी एकएम Gen5 स्टडाल का प्लेनोई के राहुल मार्च का हिस्सा बने। दरअसल, राहुल ने मार्च के दौरान जो प्लेनोई अपने हाथ में लिया था उस पर लिखा था, ज्ञानेश इस्टर डन ब्रो। राहुल गांधी ने अपने X अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया है जिसके कैप्शन में लिखा है, इस्तीफे का समय आ गया। राहुल गांधी ने जो वीडियो पोस्ट किया है वह उस वक्त का है जब संसद भवन के मकददर से पैदल मार्च शुरूआत हुई। वीडियो में राहुल के साथ उनके पीछे प्रियंका गांधी और दाएं तरफ अखिलेश यादव नजर आ रहे हैं। अखिलेश यादव को हिरासत में लिए जाने की खबर है। वहीं राहुल और प्रियंका को भी बस में बिठा लिया गया था, लेकिन वह बस से उतर गए। संसद के मकददर से चुनाव आयोग के ऑफिस तक के रास्ते में लोकल पुलिस के साथ पैरामिलिट्री की पांच से ज्यादा कर्मियों नेतात की गई हैं। विपक्षी सांसदों का यह पैदल मार्च सुबह 10:30 बजे के करीब शुरू हुआ और इस मार्च में लगभग 140 विपक्षी सांसदों के शामिल होने का अनुमान है। नेता प्रपिषथ राहुल गांधी ने X पर जो वीडियो पोस्ट किया है उसे कुछ ही घंटों में 5 लाख से अधिक लोगों ने देख लिया। वीडियो पर कई यूजर ने फनी कमेंट किए हैं तो कई यूजर ने समर्थन दिया। राहुल गांधी के वीडियो पर एक यूजर ने लिखा है- राहुल तुम संघर्ष करो, हम मोदी जी के साथ हैं। एक और अन्य यूजर ने लिखा है- राहुल इस्टर डन ब्रो, इस्तीफे का समय आ गया। एक यूजर ने राहुल के समर्थन में कमेंट करते हुए लिखा है- मोदी सरकार और जालंधार भूल गए कि टाइगर भी जिंदा हैं जो उनकी मददताओं का नाम डिलीट करके भारतीय लोकतंत्र को खत्म करने नहीं देंगे।

संपादकीय (उमेश कुमार तिवारी)

चुनाव सुधार जारी रहे

चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त संबंधी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, तो दूसरी ओर, चुनाव सुधार और सुनवाई की प्रक्रिया भी जारी है। गांधी जयंती, 2 अक्तूबर को आयोजित विपक्षी दलों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने पूरी सतर्कता बरती। वैसे तो देश के अनेक शहरों में विरोध-प्रदर्शन हुए हैं, किंतु मुंबई के शिवाजी पार्क और दिल्ली में जंतर मंतर पर सबकी निगाहें रहीं। प्रदर्शन के कहीं पर भी उग्र होने से रोकने के लिए पुलिस दृढ़ दिखी है। जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के पिछले प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प हो गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। शायद प्रशासन ने अपने अनुभवों से सीखा है। पुलिस को अपनी और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा की चिंता है। पिछली बार टकराव की जिम्मेदारी पुलिस पर ही डाली गई थी। अतः इस बार बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। हालांकि, यह सवाल पुछने वाले भी कम नहीं है कि क्या लोकतंत्र में अब विरोध-प्रदर्शन का अधिकार भी नहीं है? बहरहाल, विरोध-प्रदर्शन की राजनीति जारी रहेगी, लेकिन इस बीच अच्छी बात है कि चुनाव सुधार की प्रक्रिया भी तेजी से चलती दिख रही है। चुनाव आयोग ने छूट गए और पहली बार मतदान करने योग्य युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए एक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। यह विशेष अभियान उन राज्यों में चलेगा, जहां मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य पूरा हो चुका है। दबाव में ही सही, यह आयोग का एक सराहनीय कदम है। यह शिकायत बार-बार सामने आ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इस शिकायत को दूर करने के लिए आयोग को मुस्तदी से काम करना होगा। इसके साथ ही, आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता नामांकन एक सतत प्रक्रिया है और कोई भी व्यक्ति इसमें आवेदन कर सकता है। हालांकि, अगर नामांकन की प्रक्रिया सतत होती, तो मतदाता पंजीकरण के लिए अभियान की जरूरत नहीं पड़ती। अगर नामांकन बारहों महीने चलाया जाए, तो लोगों को यह सुविधा देनी चाहिए कि वे अपने परिजनों के नाम जुड़वा या हटवा सकें। नाम जोड़ने पर विवाद नहीं होता, पर नाम कटने पर स्थिति बिगड़ती है। अतः नाम काटने की पारदर्शी प्रक्रिया होनी चाहिए। आज मतदाता सूची पुनरीक्षण बहुत गंभीर विषय हो गया है। देश की राजनीति इसके इर्द-गिर्द घूमने लगी है। ऐसे में, चुनाव आयोग को निचले स्तर पर हो रही गलतियों को बहुत सावधानी से सुधारना चाहिए। बीएलओ और ईआरओ को सही ढंग से प्रशिक्षित करने की जरूरत है। अगर ये दोनों मिलकर ठीक से काम करते, तो किसी पैघ मतदाता का नाम सूची से नहीं कटता और न ही फर्जी नाम जुड़ पाता। आज जो भी पार्टियां वोट कटने को मुद्दा बना रही हैं, उन्हें अपनी पार्टी के बीएलए की गुणवत्ता भी परखनी चाहिए। यह वाकई संतोष की बात है कि बीएलओ को घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने के लिए कहा गया है। गौर करने की बात है, गहन पुनरीक्षण मुहिम में 6 से 11 प्रतिशत नाम कट जा रहे हैं। इसलिए, पूरी संवेदना से जांचना होगा कि कोई भी जायज नाम सूची से वंचित न रह जाए। पुनरीक्षण बहुत कठिन है। झूठे दावे करने वाले भी कम नहीं हैं और इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। देश में सही मतदाता सूची चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। ध्यान रहे, शिकायतों के आधार पर ही आंदोलन खड़ा हुआ है और अगर उनका यथोचित निवारण हो जाए, तो इसकी राजनीति भी बीती बात हो जाएगी।

चुनावी लोकतंत्र की तरक्की के लिए पीछे मुड़कर देखिए

चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर हुए खुलासे ने तीनों चुनाव आयुक्तों के बीच की गैर-बराबरी और अलोकतांत्रिक कामकाज को उजागर किया है। यह सब चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’, यानी एसआईआर से उपजी व्यापक निराशा के बीच सामने आया है। एसआईआर में करीब 13 करोड़ लोगों को अपना मताधिकार खोने का डर है। हालिया घटनाओं ने न केवल आयोग के इरादों को लेकर चिंता बढ़ाई है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थानों के भविष्य पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे में, वयस्क मताधिकार, निर्वाचन आयोग, इसके तीन चुनाव आयुक्तों की साझा जिम्मेदारी पर सर्वोच्च न्यायालय के 1995 के फैसले के मद्देनजर संविधान सभा की बहस को फिर से देखना जरूरी हो गया है। राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के नेताओं का यह दृढ़ विश्वास था कि सच्ची स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक को वोट देने से ही सार्थक होगी। संविधान सभा की बहसों से इसे वैधानिक अभिव्यक्ति मिली। यहां 29 अप्रैल, 1947 को हुई प्रारूप समिति की एक बैठक का उल्लेख उचित होगा। उस बैठक की अध्यक्षता खुद संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद कर रहे थे। इस बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों से संबंधित सलाहकार समिति की अंतरिम रिपोर्ट रखी। उस रिपोर्ट के आधार पर शुरुआत में ही 21 वर्ष के प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार अपरिवर्तनीय और अहस्तांतरणीय रूप से दे दिया गया। संविधान सभा का हर सदस्य इससे सहमत नहीं था। 16 जून, 1949 को बिहार से कानून स्नातक ब्रजेश्वर प्रसाद ने कहा, ‘मैं वयस्क मताधिकार का विरोध करता हूँ... क्योंकि यह लोकतंत्र के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है। वयस्क मताधिकार मानता है कि मतदाता प्रबुद्ध है। जहां मतदाता प्रबुद्ध नहीं है, वहां संसदीय लोकतंत्र नहीं हो सकता ।’

नई दिल्ली

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर-घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संवैधानिक करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की

रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है। एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन लोकतांत्रिक प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियाँ और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है।2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली

संपादकीय

एसआईआर लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है। इस अभियान में बूथ स्तर और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर-घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म-6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था के बाद निर्वास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे

महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म-6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है। यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म-6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे

हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए-न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान व्यवस्था में बना रहे। लोकतंत्र की मजबूती का अर्थ केवल अधिक मतदान प्रतिशत नहीं है। उसका अर्थ यह भी है कि जो पात्र नागरिक मतदान करना चाहता है, उसे मतदाता सूची में स्थान मिले, जो व्यक्ति मतदान के योग्य नहीं है, उसका नाम नियमपूर्वक हटे, शिकायत करने वाले को सुनवाई मिले और अंतिम निर्णय पारदर्शी प्रक्रिया से हो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार एसआईआर की वैधानिकता को स्वीकार किए जाने का अर्थ भी यही है कि मतदाता सूची की शुद्धता का संवैधानिक महत्व है, साथ ही प्रक्रिया में निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन आवश्यक है। इसलिए आज आवश्यकता एसआईआर के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण उस प्रक्रिया को इतना पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की है कि किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के लिए संघर्ष न करना पड़े। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति चुनाव कराने में ही नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर देने में है। मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतंत्र की सफाई है, लेकिन उस सफाई में कोई निर्दोष नागरिक बाहर न रह जाए, इसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। एसआईआर तभी अपने व्यापक उद्देश्य को पूरा करेगा जब शुद्धता और समावेश, दोनों साथ चलें।

आतिशबाजी पर पूरी तरह रोक लगाई जाए



दीये जलते थे, तो उनसे प्रदूषण नहीं फैलता था। घर में उजाला फैलता था और नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती थी। दीये में घी जलाने के अपने वैज्ञानिक कारण और फायदे हैं। हमारे पुरखों ने सोच-समझकर ही व्रत-त्योहार निश्चित किए थे। अब उपवास को ही ले लीजिए। कई लोग सप्ताह में एक दिन उपवास रखते थे, कई दो-दो दिन। इससे कई सकारात्मक चीजें साथ-साथ हो जाती थीं। जैसे, सबसे अहम इससे सेहत ठीक रहती है, खाद्यान्न की बचत होती है और ये ही शहर में आकर रहते थे। गांवों में पशुपालन भी होता था। पटाखों की आवाज से मवेशियों को परेशानी होती है। इसलिए भी गांवों में इसका चलन कम रहा। आजकल जो पटाखे आ रहे हैं, वे हवा में जहर घोल रहे हैं। इसलिए पटाखे तो होने ही नहीं चाहिए। पुराने जमाने में

लगाकर हवा में छोड़ते हैं, तो इनसे आकाश में पंक्षियों को भी नुकसान पहुंचता है। कई पक्षी मर जाते हैं या फिर पलायन कर जाते हैं। हम मनुष्य हैं। प्रदूषण से बचने के लिए समर्थ लोग किसी स्वच्छ जगह की तलाश कर लेंगे, मगर बेजुबान जीव क्या करेंगे? प्रदूषण भी दो प्रकार के होते हैं। एक तो पारंपरिक प्रदूषण है, लेकिन दूसरा प्रकार वह है कि प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए जो उपक्रम होता है, उनसे भी हवा, पानी या धरती प्रदूषित होती है। एक चीज को ठीक करने के क्रम में हम कई दूसरी चीजों को खराब कर देते हैं, इसको भी हमें देखना होगा। पानी और हवा के बिना न हम रह सकते हैं और न ही धरती के दूसरे जीव रह सकते हैं। पक्षी तो सबसे अधिक संवेदनशील प्राणी होते हैं। यह ज्ञात तथ्य है कि वे एक खास समय में मैदानी इलाकों में आते हैं और गर्मी बढ़ने पर पहाड़ों-जंगलों में चले जाते हैं। पक्षी तो चले जाते हैं, लेकिन करोड़ों मनुष्य कहां जाएंगे? दूसरी बात है कि क्या हम प्रदूषण पर रोक न लगाकर पूरे रासायनिक छिड़काव करते हैं। इस छिड़काव से कीटनाशक पूरी खाद्य श्रृंखला में फैल जाते हैं। इसलिए जरूरत आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने की है। पहले हम देखते थे कि गांवों में मवेशी हैं, तो उनके गोबर से खाद बनता था और उस खाद से हमारे खाद्य पदार्थ पोषक होते थे। जहां तक हरित पटाखों की बात है, तो ये भी हवा को दूषित करते हैं। ये चाहे जितने भी हरित हों, लेकिन जब आप इसे आग

पड़ती है और हमारे देश में गरीबों की संख्या कम नहीं है। इसलिए, हमें खुद पर नियंत्रण रखना ही होगा। हमें कर्म के साथ मन से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनना पड़ेगा। कानून के डंडे से ही सब कुछ नहीं हो सकता। मेरी याचिकाओं पर कई सकारात्मक फैसले हुए हैं। दिल्ली से प्रदूषक औद्योगिक इकाइयों को बाहर किया गया। इसलिए त्योहारों को सोच-समझकर मनाना होगा, ताकि हमारे देश में जल, हवा और धरती स्वच्छ बनी रहे। बच्चों को शुरू से ही पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता की शिक्षा देने की व्यवस्था करनी चाहिए। पूरे देश में पर्यावरण शिक्षा दी जानी चाहिए। पटाखे चलाने के पैरोकार कहते हैं कि पटाखों के प्रतिबंधित होने से लाखों लोगों के रोजगार खत्म हो जाएंगे। उनको समझना चाहिए आज स्वास्थ्य समस्या को लेकर जितने लोग अस्पताल जाते हैं और इलाज पर जितना खर्च करते हैं, पटाखों पर रोक से होने वाला नुकसान उसके आगे बहुत कम है। हमारी सरकारें अवसर अपना पल्ला झाड़ लेती हैं कि हम क्या करें? हालांकि, सबसे बड़ी जिम्मेदारी उनकी ही है। दायित्व अमीरों के भी बनते हैं। उन्हें भी इस मामले में आगे आना चाहिए। कुल मिलाकर, हम चीजों को अलग-अलग करके नहीं देख सकते, क्योंकि कोई भी प्रदूषण पूरे वातावरण में फैलता है, तो उससे कुछ बचा नहीं रहता। इसलिए हमें पर्यावरण संरक्षण को समग्रता में देखने की जरूरत है।

मच्छार के महाशौर्य से आगे

वह साल 2015 के मार्च की 24वीं तारीख थी। फुटबॉल के तीर्थ बर्लिनोना से जर्मनविग्स एयरलाइंस की एयर बस 9525 उड़ान भरती है। इसमें 144 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार हैं। लगभग 30 मिनट बाद वह एयरबस फ्रांस स्थित आल्प्स की बर्फ ढकी चोटियों पर उड़ रही होती है। सब कुछ निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप चल रहा था कि विमान गहरा गोता लगाता है। अवाक यात्रियों के कुछ सोचने-समझने से पूर्व उस विशाल एयरबस की नाक चोटियों से जा टकराती है और सभी 150 सवार दर्दनाक मौत के शिकार हो जाते हैं। हमेशा की तरह उड़ान की दुनिया में हाय-तौबा मच जाती है। अडान-फानन में जांच दल गठित कर दिए जाते हैं। इस दौरान ‘ब्यूरो ऑफ़ एनकायरी एंड एनालिसिस फॉर सिल्विल एविएशन सेप्टी’ (बीईए) के जांचकर्ताओं को जो मिला, वह चौंकाने वाला था। उनकी रपट के अनुसार, 27 वर्षीय सह-पायलट एंड्रियाज लुबिज्ज ने विमान को इस हाल में पहुंचाया था। वह लंबे समय से अवसाद का शिकार था। यही वजह है कि उड़ान का कमान जैसे ही वॉशरुक इस्तेमाल करने के लिए कॉकपिट से बाहर निकला, लुबिज्ज ने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद उसने जहाज का रुख नीचे की ओर किया और स्पीड बढ़ा दी। कॉकपिट

की वॉयस रिकॉर्डिंग से जांचकर्ताओं ने जाना कि पायलट ने वापस अंदर पहुंचने का भरपूर जतन किया, लेकिन असफल रहा। जो नहीं जानते, उन्हें बता दो, 9/11 के न्यूयॉर्क हमलों के बाद कॉकपिट के दरवाजे ऐसे बंद दिए गए हैं कि उन्हें बाहर से न खोला जा सके। इस दुर्घटना के बाद भारत सहित तमाम उड़ान नियामकों ने यह अनिवार्य कर दिया कि उड़ान भरते समय कॉकपिट में हर हाल में दो लोग मौजूद रहेंगे। यदि दोनों में से एक पायलट किसी वजह से बाहर आता है, तो कोई परिहालक उसकी वापसी तक कॉकपिट में रहेगा, लेकिन करें क्या? हर व्यवस्था, तंत्र और नियम की कोई-न-कोई काट अनदेखी अथवा अनसोची रह जाती है। यही वजह है कि दो दुर्घटनाओं के आर्तनाद के बीच के अंतराल को हम ‘अब सब चंगा’ मान लेने की भूल कर बैठते हैं। बहुत दूर जाए बिना अपने ही देश का हालिया उदाहरण पेश करता हूं। पिछले साल एअर इंडिया का विशालकाय बोइंग-787 ड्रीम लाइनर अहमदाबाद में टेक ऑफ़ के तुरंत बाद धराशयी हो गया था। इस हादसे में 260 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि विमान के ‘फ्यूल स्विच’ बंद थे। वे खुद बंद हो गए थे या दोनों में से किसी एक पायलट ने बंद कर दिए थे? विमान



निर्माता कंपनी बोइंग ने अपनी पड़ताल के बाद दावा किया कि विमान में कोई कमी नहीं थी। उसने कहा नहीं, पर उसका इशारा साफ था। यह या तो पायलट की गलती थी या फिर जानी-बूझी साजिश। यह बात अलग है कि भारतीय जांचकर्ताओं ने अभी तक ऐसी कोई बात नहीं कही है। यहां जान लें। बोइंग कंपनी हर विमान दुर्घटना के बाद जांच करती है और अक्सर उसे अपनी कोई गलती नहीं मिलती। यूनियन कार्बाइड से बोइंग तक हर महाकाय कंपनी में आपको यह प्रवृत्ति देखने को मिलेगी। अहमदाबाद दुर्घटना के बाद सभी संवेदनशील

स्वियों की बनावट, पायलटों की पृष्ठभूमि और मनोदशा को लेकर काफी बहस हुई। इसके बावजूद कहीं कुछ ऐसा रह बचा था, जिसे सीखा जाना चाहिए था। 30 सिप्लान उड़ानें से तेल अवीव जाने वाले एफजेड- 1073 विमान में जो कुछ हुआ, वह इस अनदेखी का जीता-जागता उदाहरण है। कहा जा रहा है कि ओमानी सह-पायलट ने भारतीय पायलट स्मित मच्छार पर कॉकपिट के अंदर रखी कुल्हाड़ी से घातक वार किए। पायलट मच्छार ने गजब की हिम्मत का प्रदर्शन करते हुए न केवल हमलावर को रोकने की कोशिश की, बल्कि घायल होने के बावजूद कॉकपिट का दरवाजा अंदर से खोल दिया। विमान तेजी से नीचे जा रहा था, पर हकबकाए यात्रियों ने भी धैर्य नहीं खोया। उन्होंने झपटकर ओमानी सह-पायलट को काबू में किया। बाद में विमान को सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर सक्षुशल उतार लिया गया। क्या आपके मन में सवाल नहीं उभरता कि 2015 के बाद बनाए गए प्रोटोकॉल कहां गए? पायलटों की पृष्ठभूमि के अलावा कार्य-कलापों की नियमित जांच, मनोचिकित्सकों के साथ उनके समयबद्ध साक्षात्कार और समयवार प्रशिक्षण के आयोजन क्यों नहीं किए गए? फेंच आप्स से अहमदाबाद तक सैकड़ों यात्रियों की मौत से

उपजे क्रंदन ने क्या महाकाय एयरलाइस और दुनिया के निजामों को यही सिखाया है? यह अच्छी बात है कि पायलट स्मित मच्छार की समूची दुनिया में प्रशंसा हो रही है। इजरायल उन्हें अपना सर्वोच्च सम्मान देना चाहता है। भारत में उन्हें अशोक चक्र देने की मांग उठ चुकी है। यकीनन, उन्हें देश-विदेश में और भी सम्मान हासिल होंगे, लेकिन उस दौरान मच्छार खुद किंग जडोजहद को जी रहे थे और वह कितनी भयावह थी? इसे सिर्फ वे ही समझ सकते हैं, जिन्होंने कभी अपनी जान दांव पर लगाई हो। एक धीरोदात नायक की तरह वह खुद क्या मानते हैं, इसका जिक्र गुजर चुकवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉल के दौरान उन्होंने किया, ‘मैंने ठान लिया था कि इस विमान में किसी को नहीं मरने दूंगा। इसमें दो राय नहीं कि एफजेड- 1073 के 174 यात्रियों और सहयोगियों की दुआएं हमेशा उनके साथ रहेंगी। यही उनका असली अर्जन है। हमलावर को ओमानी अधिकारी अपने देश का नागरिक बता चुके हैं? वह कहां जनमा, कहां पढ़ा, किन लोगों की सोहबत में था और उसने ऐसा क्यों किया? वह किसी अतिवादी संगठन से जुड़ा था या नहीं, यह अभी तक आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आ सका है। हालांकि, एक अमेरिकी अखबार ने दावा किया

है कि उसका नाम हमाम अल-हम्माही है और उसे ओमान में चरमपंथी विचारों के कारण प्रतिबंधित किया गया था। क्या संयोग है, जर्मनविग्स के एंड्रियाज लुबिज्ज ने भी अपने अवसाद और उड़ान न भरने की चिकित्सकीय सलाह को सफलतापूर्वक छिपा लिया था। हम्मानी ने उसे दोहराकर साबित कर दिया है कि दुनिया के उड़ान नियामक इस संचार और संवाद के युग में दशकों पुरानी सोच के शिकार हैं। क्या हवाई यात्री उनकी नजर में ‘गिनी पिग’ से ज्यादा की हैसियत नहीं रखते? हम कब तक राम भरोसे उड़ते रहेंगे? इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हवा में उड़ते विमानों को खतरा कॉकपिट के अंदर से भी है। सिर्फ विमान ही क्यों? घनी आबादी के ऊपर बहुतायत में उड़ते हेलीकॉप्टर भी तो सैकड़ों लीटर पेट्रोल के साथ विध्वंसक की तरह उड़ानें भर रहे हैं। 9/11 के हमले इसकी जिंदा मिसाल हैं। तय है, उड़ान और उड़कों के बारे में नए और व्यावहारिक सुधारों को अब और नहीं टाला जा सकता। इसके साथ ही हमें समूची धरती के पैमाने पर इस नफरती जहरबाद के बारे में भी गंभीरता से सोचना होगा, जो अब शिक्षित ‘एलीट’ को अपना शिकार बनाने लगा है। ओमानी उड़का इसका नवीनतम उदाहरण है।

गौरव पूर्ण भारत



एक नज़र

जहां भी पुलिसवाले रोकेंगे हम वहां10 अक्टूबर के दिल्ली प्रोटेस्ट को लेकर कॉंकरेचों ने दिया बड़ा संकेत

नई दिल्ली कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। प्रदर्शन में अलग-अलग संगठन के लोगों के भी आने की संभावना है। विरोध प्रदर्शन से पहले सोमवार शाम सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता सौरव दास ने एक प्रेस कॉन्फेंस की। सौरव दास ने इस दौरान जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर कहा कि उनके सामने चुनौती तो है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर आशा का प्रतीक है ऐसे में वहां पर भले ही ताले भी दिए जाते हैं तो भी लोग बाहर इकट्ठा हो सकते हैं। सौरव ने कहा जंतर-मंतर आशा और जीत का प्रतीक है। बहुत साफ है कि जहां पर भी पुलिसवाले हम रोकेंगे हम वहां बैठ जाएंगे और उसी को जंतर-मंतर बोला जाएगा। आप पूरी दिल्ली की तो घेराबंदी नहीं कर सकते। और अगर आप पूरी दिल्ली की घेराबंदी कर देंगे तो हम दिल्ली के बाहर बैठ जाएंगे। आप लोगों को कहां तक रोकेंगे? सौरव दास ने आगे कहा ‘अगर लोग कुछ बोल रहे हैं और बार-बार सड़कों पर उतर रहे हैं तो कोई प्रॉब्लम है। सरकार में जो लोग बैठे हुए हैं वे फिर से गुंगे बहरे हो गए हैं। धर्म्रंद प्रधान के टाइम पर हमने सोचा कि गुंगी बहरी सरकार को हमने जगया लेकिन फिर से पता चल रहा है कि वे फिर गुंगे बहरे हो गए हैं। तो इनका कुछ परमानेंट इलाज करना पड़ेगा। अगर वे हम लोगों को जंतर-मंतर के बाहर रोकना चाह रहे हैं तो हम लोग वहीं बैठ जाएंगे और पूरा प्रोटेस्ट शांतिपूर्ण तरीके से होगा। देश का युवा बहुत बड़ी संख्या में निकलने वाला है। उन्होंने आगे कहा ‘जंतर-मंतर पर आप भले ही ताले लगा लो लेकिन लोग तब भी बाहर इकट्ठा हो सकते हैं। किस हिसाब से इकट्ठा होंगे अभी तो पब्लिकली हम वो प्लान बता देंगे तो फिर पुलिस की मदद हो जाएगी। तो हम वो बताना नहीं चाहते। हम लोग इस प्रोटेस्ट को एकसाथ मिलकर लीड करेंगे। आपको बता दें कि आप और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा), भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयुआई) और आईवीसी जैसे छात्र संगठनों ने एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और लोगों के वोटिंग के अधिकार को ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए बीते शुक्रवार, शनिवार और रविवार को बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किए हैं। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अलावा पैरा मिलिट्री फोर्स भी तैनात है। जंतर-मंतर पर भारी बैरिकेडिंग लगाई गई है।

दिल्ली में आवारा कुत्तों पर हाईकोर्ट सख्त; नसबंदी में तेजी के आदेश, लगेंगे ट्रेनिंग कैप

नई दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट ने राजधानी में आवारा कुत्तों की नसबंदी की प्रक्रिया तेज करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को लखनऊ नगर निगम के साथ समन्वय कर जल्द प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि लखनऊ नगर निगम के अधिकारी दिल्ली आकर पशु चिकित्सकों, पैरावेटरिनरी कर्मचारियों और कुत्ते पकड़ने वाले कर्मचारियों को नसबंदी का प्रशिक्षण देंगे। यह प्रशिक्षण पशु कल्याण बोर्ड के तय मॉड्यूल के अनुसार दिया जाएगा। जरिस्ट स्टेशन मेहता और जरिस्ट अदिति चौधरी की पीठ ने MCD को नसबंदी के लिए एक विस्तृत योजना तैयार कर अदालत के समक्ष रखने को भी कहा। यह योजना मामले में न्याय मित्र गौरी मौलेखी की ओर से दिए गए सुझावों के आधार पर तैयार की जाएगी। अदालत ने MCD और NDMC को जल्द से जल्द लखनऊ नगर निगम के साथ मिलकर 15 दिन का ट्रेनिंग कैप आयोजित करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि एमसीडी और एनडीएमसी ने दो वार्डों में नसबंदी शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। कोर्ट ने अब दो और वार्डों में शिविर लगाने को कहा है। दोनों निकायों को 4 हफ्ते में हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा है। एमसीडी को इस पर सुझाव देने के लिए 4 हफ्ते का समय दिया गया है। यह मामला हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के 19 मई के निर्देश के बाद स्वतः सज़ान लेकर शुरू किया था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए नसबंदी और टीकाकरण के बाद उन्हें निर्धारित आश्रय स्थलों में रखने तथा सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट ने इससे पहले दिल्ली सरकार से राजधानी में आवारा कुत्तों में रेबीज खत्म करने की कार्ययोजना पर जवाब भी मांगा था।

नई दिल्ली

चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ रेप केस में अदालत ने तय कर दिया वक्त, दिल्ली पुलिस को 18 दिन की मोहलत

फरीदाबाद में बाल सुधार गृह से तीन बंदी फरार, हत्या के अलग-अलग मामलों में बंद थे

फरीदाबाद फरीदाबाद के एनआईटी-5 स्थित बाल सुधार गृह के सेफ्टी हाउस से शनिवार शाम तीन बाल बंदी बाथरूम की जंग लगी खिड़की तोड़कर फरार हो गए। तीनों बाल बंदी गंभीर आपराधिक मामलों में सुधार गृह में बंद थे। घटना का पता रात को उस समय चला, जब सुधार गृह में बाल बंदियों की नियमित गिनती की गई। इसके बाद सुधार गृह प्रशासन ने मामले की सूचना एनआईटी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने फरार बाल बंदियों की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है। एनआईटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया गया कि शनिवार रात करीब 10 बजे बाल बंदियों की नियमित गिनती के दौरान तीन किशोर गायब मिले। इसका पता चलते ही सेफ्टी हाउस में हड़कंप मच गया। तीनों की सेफ्टी हाउस में तलाश की गई, मगर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और आसपास के इलाकों में उनकी तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पता चला कि तीनों नाबालिग सेफ्टी हाउस के ग्राउंड प्लेयर पर बने बाथरूम में पहुंचे। वहां खिड़की पर लगा लोहे का जंगला जंग लगे होने के कारण खराब हालत में था। ऐसे में उन्होंने उसे पहले हाथ से हिला-हिलाकर ढीला कर लिया और फिर उसे उखाड़कर उसमें से दूसरी तरफ बनी नगर निगम की नर्सरी की तरफ उतरकर वहां से बाहर निकल गए। बताया जा रहा है कि जिस समय तीनों वहां से निकले, उस समय वहां कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। तीनों नाबालिगों को हत्या के अलग-



अलग मामलों में सेफ्टी हाउस में रखा गया था। तीनों की उम्र करीब 17 साल बताई जा रही है। इनमें एक गुरुग्राम, दो दूसरा नूंह और तीसरा हिसार जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। फरार होने

के बाद अब पुलिस उनके संभावित ठिकानों और संंपकों की जानकारी जुटाकर तलाश कर रही है। सुधार गृह से बाहर निकलने के बाद उनके भागने का संभावित रास्तों की जांच की जा रही है।

गूगल मैप्स तक फेल, मल्टी लेन का मर्जर; बारापुला फेज-3 पर महाजाम की क्या वजहें

नई दिल्ली बारापुला फेज-3 के खुलने के बाद से इस नए कॉरिडोर पर लगातार जाम की स्थिति देखने को मिल रही है। सोमवार यानी हफ्ते के पहले कार्य दिवस पर स्थिति ऐसी ही रही। बारापुला फेज-3 कॉरिडोर पर जाम की वजह से लोगों को मयूर विहार से एनएच-9 और डीएनडी डायवर्ट किया जा रहा है। लोग जाम की वजह से खेउटा (रॉन्ग साइड) आ रहे हैं। छुट्टियों की वजह से इस नए कॉरिडोर पर आवागम सुगम था मगर एकबार फिर इससे जुड़ी सड़कों जैसे कि मौजूदा बारापुल्ला कॉरिडोर, रिंग रोड, दिल्ली-नोएडा लिंक रोड और डीएनडी कॉरिडोर पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। सुबह से ही वाहनों चालकों और यात्रियों को इस रूट पर ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का दावा है कि प्रभावित प्लाईट्स पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है फिर भी स्थिति में सुधार नहीं दिखाई दे रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, स्ट्रक्चल बॉटलनेक (सड़क का संकरा होना) जाम की मुख्य वजह है। स्ट्रक्ल बॉटलनेक पुराने बारापुला प्लाईओवर पर है। कई दिशाओं से आने वाली 8 से 9 लेन के वाहन एक ही प्लाइट पर आकर मिलते हैं। पुराना बारापुला प्लाईओवर (फेज-1 और 2) 3 लेन का है तो वहीं नया बारापुला प्लाइओवर फेज-3 (मयूर विहार की ओर) पर लगभग 3 लेन है। इनके अलावा सराय काले खां साइड लुप 3 लेन तो वहीं डीएनडी साइड लुप की चौड़ाई 3 लेन है। इस तरह इन लगभग 8-9 लेन का भारी ट्रैफिक पुराने बारापुला प्लाईओवर पर सिर्फ 3 लेन की संकरी जगह में सिमट कर रहा जाता है नतीजन वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से बताया गया है गूगल मैप पर लाइव ट्रैफिक प्लो अपडेट नहीं हो पा रहा है ऐसे में रास्तों को हमेशा ग्रीन (बिना ट्रैफिक जाम) ही दिखाता है। फिलहाल ट्रैफिक पुलिसकर्मी दोनों मर्जिंग प्वाइंट पर तैनात हैं और ट्रैफिक को संभाल रहे हैं। आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 29 सितंबर को बारापुला फेज-3 का उद्घाटन किया था। बारापुला फेज 3 प्रोजेक्ट को 1,635 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसे 2014 में मंजूरी दी गई थी और काम 2015 में शुरू हुआ था।

पिता की सहमति के बिना बच्चे को ले गई ऑस्ट्रेलिया, मां की बर्ढ़ी मुश्किलें; क्या आदेश

नई दिल्ली पारिवारिक विवाद के बीच ढाई साल के एक बच्चे को कथित तौर पर पिता की सहमति के बिना और फर्जी हस्ताक्षर के जरिये ऑस्ट्रेलिया ले जाने के मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। तीन हजारी कोर्ट ने तिलक नगर थानाध्यक्ष को सात दिनों के भीतर मां के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करने का आदेश दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विकास मदान की कोर्ट ने माना कि शिकायत में लगाए गए आरोप गंभीर हैं और सच सामने लाने के लिए पुलिस जांच आवश्यक है। अदालत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 173(3) के तहत पिता की ओर से दायर अर्जी को स्वीकार करने हुए कहा कि शिकायतकर्ता के पास उपलब्ध साक्ष्य सीमित हैं और कई दस्तावेज उनकी पहुंच से बाहर हैं। ऐसे में पुलिस जांच कराना जरूरी है। मामले में शिकायतकर्ता दमनजीत सिंह की अधिवक्ता मोनिका वर्मन ने अदालत के समक्ष दलील दी कि उनके मुवक्किल की सहमति के

एमसीडी स्कूल के छात्रों को मिलेंगे यूनिफॉर्म और बैग के पैसे, 70 करोड़ का बजट तैयार; इसी हफ्ते से शुरुआत

नई दिल्ली दिल्ली नगर निगम इस हफ्ते से छात्रों को यूनिफॉर्म और स्कूल बैग के लिए मदद देना शुरू कर रहा है। इसके तहत पहले चरण में करीब 5.1 लाख बच्चों के खाते में 70 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एकेडमिक सेशन 2026-27 के लिए निगम ने 31 अगस्त के एनरोलमेंट डेटा के मुताबिक कुल 6,56,950 के नाम बतौर लाभार्थी का फाइनल किए हैं। हालांकि अभी तक 5.1 लाख बच्चों के ही बैंक अकाउंट डिटेल ही उपलब्ध है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक छात्र को स्कूल बैग और यूनिफॉर्म के लिए कुल 1,370 रुपये दिए जाएंगे जिससे पहले चरण में कुल 69.87 लाख रुपये खर्च होंगे। ऐसे बच्चों के बैंक खाते खोलने की कोशिशें जारी हैं जिनके अभिभावकों के पास कोई मौजूदा बैंक खाता नहीं है। इसके अलावा ऐसे बैंक खाते जो कि एक्टिव नहीं है या जिन्हें अपडेट करने की जरूरत है उनपर भी



ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में पूरे एकेडमिक सेशन के दौरान यूनिफॉर्म और नाम कटवाने की प्रक्रिया जारी रहती है जिसके वजह से हर साल 31 अगस्त की कट-ऑफ तारीख तय की जाती है। इसके बाद ही एनरोलमेंट की फाइनल संख्या तय हो जाती है जिसके बाद पात्र छात्रों को आर्थिक मदद मुहैया करवाई जाती है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ एकेडमिक सेशन में पैमेंट में देरी हुई है क्योंकि जिन छात्रों के पास एक्टिव बैंक अकाउंट नहीं होते उन्हें अक्सर पैसे नहीं मिल पाते। निगम अब यह सुनिश्चित कर

दिल्ली-एनसीआर

चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ रेप केस में अदालत ने तय कर दिया वक्त, दिल्ली पुलिस को 18 दिन की मोहलत

नई दिल्ली निखिल पाटक, नई दिल्ली-आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मुखिया और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद पर लगाए गए रेप के आरोप को लेकर अदालत ने बड़ा आदेश दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए अगली तारीख तक जांच पूरी करने को कहा है। अगली तारीख 23 अक्टूबर की निश्चित कर दी है। इसका मतलब है कि दिल्ली पुलिस के पास अब 18 दिन बचे हैं और इस अवधि में इस मामले की जांच पूरी करके रिपोर्ट अदालत को देनी होगी। नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत की जांच में हो रही देरी पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के संबंधित जिला पुलिस उपपुष्प (डीसीपी) को नोटिस जारी किया है। अदालत ने डीसीपी को यह सुनिश्चित

करने का निर्देश दिया है कि मामले की प्रारंभिक जांच अगली सुनवाई से पहले पूरी की जाए। अदालत ने जांच पूरी करने के लिए पुलिस की ओर से मांगे गए दो से तीन महीने के अतिरिक्त समय की मांग को खारिज कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को होगी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मितल की अदालत ने यह आदेश दिया। शिकायतकर्ता महिला ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दिल्ली पुलिस से शिकायत दी थी। महिला ने आरोप लगाया था कि चंद्रशेखर आजाद ने शादी का झंझा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में घोखाधड़ी के भी आरोप लगाए गए थे। पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने पर महिला ने राउज एवेन्यू कोर्ट का रुख किया था।

एनआईटी थाना प्रभारी महावीर ने बताया कि बाल सुधार गृह की तरफ से शिकायत मिली है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए उनके भागने की दिशा का पता लगाने में जुटी है। यह भी जांच की जा रही है कि खिड़की इतनी आसानी से कैसे उखड़ी और घटना के समय सुरक्षाकर्मी कहां थे। थाने और क्राइम ब्रांच की टीमें तीनों की तलाश कर रही हैं। जिला बाल सुधार गृह से वर्ष 2016 में पांच बाल बंदी हेड वार्डन को सुधार गृह में बंद कर वहां से भाग निकले थे। उस दौरान भी घटना के समय वहां कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। हेड वार्डन को अकेला पाकर बाल बंदियों ने उन्हें बंधक बनाकर एक कमरे में बंद कर दिया और वहां से फरार हो गए।

दिल्ली जल बोर्ड के पेंशनर्स को अब कैशलेस इलाज की सुविधा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लॉन्च की स्क्रीम

नई दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली जल बोर्ड के 50,000 से ज्यादा पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स के लिए कैशलेस हेल्थकेयर सुविधा लॉन्च कर दी। वीफ मिनिस्ट्रर ऑफिस (सीएमओ) दिल्ली ने एक्स पर जानकारी दी है कि नई सुविधा के लॉन्च से अब अस्पताल में पहले भुगतान करने और मेडिकल रीस्क्रिप्मेंट यानी इलाज के खर्च की प्रतिपूर्ति की लंबी प्रक्रिया से छुटकारा मिलेगा। लाभार्थी अब पैमल में शामिल अस्पतालों के कैशलेस इमरजेंसी, नॉन-इमरजेंसी प्लान किए गए इलाज के साथ-साथ मेडिकल टेस्ट भी करवा सकेंगे। सीएमओ की ओर से बताया गया है कि लाभार्थियों को सिंगल-विंडो सिस्टम के जरिए कैशलेस इलाज और

मेडिकल टेस्ट की सुविधा मिलेगी। स्क्रीम के लॉन्च के दौरान जल बोर्ड के चेयरमेन सतीश उपाध्याय भी मौजूद थे।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम के दौरान कहा ‘अबतक दिल्ली जल बोर्ड के पेंशनर्स को किसी बीमारी के इलाज की जरूरत पड़ने पर पहले अपनी जेब से भुगतान करना पड़ता था और फिर रीस्क्रिप्मेंट के लिए आवेदन करना होता था। इस तरह उन्हें एक लंबी प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि दिल्ली जल बोर्ड में वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले हजारों कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए यह सुविधा लंबे समय से

बुधवार 07 अक्टूबर 2026

चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ रेप केस में अदालत ने तय कर दिया वक्त, दिल्ली पुलिस को 18 दिन की मोहलत

अधिक की सजा का प्रावधान है, उनकी जांच में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म के अपराध में न्यूनतम दस साल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में जांच पूरी करने के लिए पुलिस को इतना लंबा अतिरिक्त समय नहीं दिया जाना चाहिए। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दिल्ली पुलिस को दो से तीन महीने का अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया। चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ की गई शिकायत के मामले की जांच दिल्ली पुलिस ने ऐसे समय पर जल्द पूरी करने को कहा है जब सांसद एक और मामले में धिर गए हैं। गाजियाबाद की एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने 8 साल पुराने एक मामले में उनके खिलाफ रण जमानत वारंट जारी किया है। यह एक युवक के साथ मारपीट और गाली-गलौज से जुड़ा मामला है।

कोर्ट ने दिया था पत्नी को 15 लाख रुपए देने का आदेश, बेटे पर खर्च किए 30 लाख; संभव जैन सुसाइड केस में नए खुलासे

नई दिल्ली सुपरनोवा बिल्डिंग के स्पायरा टावर की 42वीं मंजिल से कूदकर जान देने वाले इंजीनियर सौरभ जैन पिछले तीन महीनों से तनाव में थे। एक के बाद एक बढ़ते मानसिक तनाव और आर्थिक बोझ से छुटकारा पाने के लिए उन्होंने जान देना बेहतर समझा। पत्नी से उनका तलाक का मामला चल रहा था। कोर्ट ने उन्हें पत्नी को 15 लाख रुपए बतौर एलुमुनी देने का आदेश दिया था। इसके कुछ महीने पहले ही उन्होंने अपने बेटे के इलाज में 30 लाख रुपए खर्च किए थे। इसके लिए उन्होंने अपने जानने वालों से उधार लिया था। बताया जा रहा है कि जान देने से पहले उन्होंने अपने पिता को 80 मैसेज भेजे थे जिसमें उन्होंने अपनी सारी परेशानी और तनाव का जिक्र किया था। उनके पिता ने उन्हें 60 बार कॉल भी किया था लेकिन संभव जैन ने एक भी कॉल का जवाब नहीं दिया। संभव जैन गुड्गांव की एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे और IMT मानेसर में रहते थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सेक्टर 126 के SHO सुमनेश कुमार ने बताया, संभव जैन को कोर्ट ने दो बार में पत्नी को 15 लाख देने का आदेश दिया था। संभव ने पहली किश्त के तौर पर 7-8 रुपए भी दे दिए थे जबकि दूसरा हिस्सा अपने वाले महीनों में देना था। उनकी शादी देव के जन्म के कुछ महीने बाद ही टूट गई थी। बच्चा समय से पहले पैदा हुआ था और उसे लगभग एक महीना एनआईसीयू में रहना पड़ा था। पुलिस ने बताया कि इलाज का खर्च 30 लाख रुपए से ज्यादा हो गया था, जिसे पूरा करने के लिए संभव जैन ने दोस्तों और परिवार वालों से ऐसे उधार लिए थे। पुलिस अब उनकी मौत से पहले के दिनों में उनकी आर्थिक स्थिति, बातचीत और गतिविधियों की जांच कर रही है। पुलिस जैन और उनके पिता के बीच पैसों को लेकर हुई ह्वाट्सएप बातचीत की भी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक संभव के पिता चाहते थे कि वे घर लौट आए लेकिन संभव ने ये कहकर मना कर दिया कि वे पहले सारा कर्ज चुकाएं। पुलिस के मुताबिक, संभव जैन घटना से करीब तीन दिन पहले अपना घर छोड़कर अलग-अलग जगहों पर होटलों में रुके थे। इसके बाद, शुक्रवार को दोपहर करीब 3 बजे उन्होंने नोएडा की सुपरनोवा बिल्डिंग में एक Airbnb में चेक-इन किया। वह अकेले थे। उस शाम उन्होंने खाना ऑर्डर किया। अगली सुबह, पास के फ्लैट में काम कर रही एयर-कंडीशनिंग मैकेनिक्स की एक टीम ने जैन को बालकनी की रेलिंग से लटकते हुए देखा।

उत्तर रेलवे				
टेंडर नोटिस सं. 47/2026-2027 दिनांक: 06.10.2026				
इलेक्ट्रोनिज निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक कर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-				
क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	07260213	एयर सिंग सेट	96 सेट	29.10.26
02	77269033 A-RGC	रनिंग कौन्ट्रैक्ट फॉर चेक रेल 9.5 एम लॉन्ग दू.आर डी एस ओ	500 सेट	29.10.26
03	19255052B	क्लोअर फोर आयल कुलिंग यूनिट विद्यु कंसिंग	196 नग	02.11.26
04	77269031 RGC	रनिंग कौन्ट्रैक्ट फॉर सी आई फिटिंग फॉर 1 इन 12 थिंक वेब सिच	100 सेट	02.11.26
05	77269041 A-RGC	रनिंग कौन्ट्रैक्ट फॉर 1 एम लॉन्ग फिश प्लेट	4880 नग	19.11.26
06	77269038 RGC	रनिंग कौन्ट्रैक्ट फोर 6 एम एम एम सी आर	250 सेट	20.11.26
निविदा शर्तः- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।				
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
उप, मुख्य विद्युत अभियंता/गति शक्ति इकाई/आरमिटी, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110055 निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करती है:	
कार्य और स्थान का नाम “अमृत भारत योजना के अंतर्गत फंड के अंतर्गत के SZM, NUR, GHNA, BVH, PTRD, FDN एवं अन्य रेलवे स्टेशनों हेतु प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के शेष विद्युत कार्य।”	
निविदा सूचना संख्या 31-R-DYCEE-GSU-DLI-26-27	
बयाना राशि (ऑनलाइन जमा की जाएगी) ₹5,75,900.00/-	
अनुमानित लागत ₹2,87,93,633.31/-	
ई-निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समय दिनांक 05.10.2026 को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात, www.ireps.gov.in पर निविदाएं अपलोड की हें। निविदादाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, यह तिथिदाता 02.11.2026, 11:30 बजे खोली जाएगी।	
विस्तृत निविदा सूचना विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानी www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।	
उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 19.10.2026 to 02.11.2026, को 11:30 बजे तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध रहेगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेजों में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।	
No. 31-R-DYCEE-GSU-DLI-26-27 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	
Dated: 05.10.2026 3452/2026	

उत्तर रेलवे	
ई-नीलामी सूचना	
संख्या – C-12/San/SWM/2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर अनुबंध लॉन्च / साइट्स के आवंटन हेतु ई-नीलामी, IREPS पोर्टल (http://ireps.gov.in) पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु निम्नलिखित 27 नामित रेलवे स्टेशनों / स्थलों पर आमंत्रित की जाती है—	दिनांक: 05.10.2026
ई-कैटलॉग संख्या	रेलवे स्टेशन/स्थान/साइट
SWM-DLI/DIV-26-1	दिनांक 21.10.2026 को 15:00 बजे
ई-नीलामी में भाग लेने के लिए टेकेंदारों के लिए पूर्वाधिकार	दिल्ली मंडल के रेलवे स्टेशनों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन Solid Waste Management (SWM) दिल्ली मंडल के अंतर्गत 27 नामित बल्क रेलवे जनेरेटर (BWG) रेलवे स्टेशनों पर पृथक्कृत गीले, सूखे पुनर्चक्रण योग्य, स्वच्छता संबंधी, विशेष देखभाल योग्य तथा निष्क्रिय अपशिष्ट के संग्रहण, परिहसन, पुनर्चक्रण एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण हेतु 05 वर्ष की अवधि के लिए ठेका, रेलवे बोर्ड द्वारा जारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निगम (SWM), 2026 के लिए SOP के अनुसार प्रदान किया जाना है। उक्त 27 नामित रेलवे स्टेशन / स्थल निम्नलिखित हैं:- नई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, टिमिरल, दिल्ली सारय रोहिल्ला, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, दिल्ली कैंट, पापोंपत, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, करनाल, कुकुक्षेत्र, साहिबाबाद, बहादुरगढ़, पलवल, शकुलवस्ती, सक्की सडी, गनौर, नरला, बल्लभगढ़, दिल्ली सदर बाजार, बादली एवं फरीदाबाद न्यू टाउन रेलवे स्टेशन। कुल: दिल्ली मंडल के 27 रेलवे स्टेशन।
वेबसाइट विवरण जहाँ ई-नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	https://ireps.gov.in/
ई-नीलामी में भाग लेने के लिए टेकेंदारों के लिए पूर्वाधिकार	आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आयोजित ई नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोधिर्या जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए: • ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण है। ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता; एक मुश्क पंजीकरण शुल्क का भुगतान, भारतीय स्टेशन बोर्ड में चालू खाता; आईआरईपीएस खाते के साथ एस बी आई बैंक खाता का एकीकरण, फंड का लिजिंग मार्किंग; कर्तावापर का उद्घाटन विवरण, जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस खाता नहीं है; वे आई आर ई पी एस होम पेज पर नए विकेताओं/ ठेकेदारों (ई-निविदा/ई-नीलामी लीजिंग) लेलक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। ई-ऑनशन लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्युअल अकाउंट नंबर (वीएएन) नामक एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लिजिंग मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। बोली लगाने हेतु प्रवेश करने से पहले लिजिंग बोली भी समझ लिये नामांकन मैकेनिज्म (यदि सक्रिय हो) और वेन मैकेनिज्म के बीच स्थिर करने के लिए स्वतंत्र हैं।। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले का भारतीय स्टेशन बोर्ड में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई-नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।
सम्बन्धित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक / पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंटी रोड, नई दिल्ली 110055 Email: sanitizationcell@gmail.com Tel: 011-23743084
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	



एक नज़र

कौन हैं धर्मपाल सिंह 5 बार के विधायक जिन्हें राज्यसभा भेजने जा रही बीजेपी

लखनऊ भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश की 8 राज्यसभा सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए अपने अधिकृत उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। उम्मीदवारों की इस सूची में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह का नाम भी शामिल है। आइए जानते हैं कि धर्मपाल सिंह कौन हैं? बरेली जिले की आंवला विधानसभा सीट से 5 बार के विधायक धर्मपाल सिंह वर्तमान समय में योगी सरकार में पशुधन मंत्री हैं। धर्मपाल का जन्म 15 जनवरी 1953 में हुआ। अपनी उच्च शिक्षा महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय से एलएलबी, बीएड और एमए में की है। धर्मपाल लगातार दूसरी बार योगी सरकार में मंत्री हैं। धर्मपाल का जन्म 15 जनवरी 1953 में हुआ। अपनी उच्च शिक्षा महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय से एलएलबी, बीएड और एमए में की है। धर्मपाल लगातार दूसरी बार योगी सरकार में मंत्री हैं। 1. धर्मपाल सिंह, प्रदेश में पशुधन मंत्री है भाजपा के नेता भी है और बरेली आंवला सीट से विधायक हैं योगी सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं। 2. राधाकांत ओझा वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष, इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन प्रयागराज (इलाहाबाद) के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। ये दो बार इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने जा चुके हैं और कानूनी व सामाजिक क्षेत्र में बड़ा चेहरा हैं। 3. प्रकाश पाल प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा ओबीसी (OB C)मोर्चा उत्तर प्रदेश कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पार्टी के संघटनात्मक ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। 4. विद्या सागर सोनकर पूर्व उपनेता (विधान परिषद), पूर्व सांसद व पूर्व एमएलसी मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले हैं और भाजपा के कद्दावर दलित चेहरों में गिने जाते हैं। वे जौनपुर (मछलीशहर) से लोकसभा सांसद और उत्तर प्रदेश विधान परिषद (MLC) के सदस्य के साथ–साथ पार्टी के प्रदेश महामंत्री भी रहे हैं। 5. गोपी कृष्ण पाण्डेय वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी भाजपा के वरिष्ठ और सर्मापित नेता हैं, जो लंबे समय से जमीनी स्तर पर पार्टी के संगठनात्मक कार्यों और अभियानों का संचालन करते आ रहे हैं। 6. प्रियंका सिंह रावत पूर्व लोकसभा सांसद (बाराबंकी) उत्तर प्रदेश भाजपा की प्रमुख महिला चेहरा हैं। वे बाराबंकी निर्वाचन क्षेत्र से 16वीं लोकसभा की सांसद रह चुकी हैं और राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर संगठन में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। 7. राम प्रताप सिंह चौहान प्रदेश महामंत्री, भाजपा उत्तर प्रदेश व पूर्व विधायक आगरा की एत्मादपुर विधानसभा सीट से वर्ष 2017 से 2022 तक भाजपा के विधायक रहे हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री और पश्चिम क्षेत्र के प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।8. श्रुति गंगवार चेयरपर्सन (अर्बन को–ऑपरेटिव बैंक, बरेली) एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्रुति IIT पासआउट हैं। ये वरिष्ठ भाजपा नेता और वर्तमान झारखंड/आंध्र प्रदेश के राज्यपाल संतोष गंगवार की पुत्री हैं। बरेली–बहेड़ी क्षेत्र में सामाजिकव राजनीतिक रूप से अत्यधिक सक्रिय हैं।

अखिलेश नहीं देंगे तीसरा कैंडिडेट, यूपी से निर्विरोध जीतेंगे भाजपा और सपा के राज्यसभा उम्मीदवार

लखनऊ उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की सभी 10 सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। समाजवादी पार्टी ने तीसरा प्रत्याशी नहीं उतारने का इशारा कर दिया है। भाजपा के आठ और सपा के दो प्रत्याशी अब राज्यसभा के सांसद बन जाएंगे। सपा के दोनों प्रत्याशी पहले ही नामांकन कर चुके हैं। भाजपा के आठों प्रत्याशी आज नामांकन दाखिल करेंगे। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीसरा प्रत्याशी नहीं उतारने का इशारा मंगलवार की सुबह सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किया। अखिलेश यादव ने लिखा कि अब हमारी निगाह तीन पर नहीं, चार सौ तीन पर है। यूपी विधानसभा में 403 सीटें हैं। ऐसे में साफ हो गया है कि अखिलेश यादव राज्यसभा चुनाव में भाजपा से भिड़ने की जगह अब विधानसभा चुनाव में ही आर–पार करने के मुड़ में हैं। मंगलवार को नामांकन का अंतिम दिन है। भाजपा ने कल ही अपने आठों प्रत्याशियों का ऐलान किया था। सभी प्रत्याशी आज पर्चा दाखिल करेंगे। भाजपा ने योगी सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता राधाकांत ओझा, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल, पूर्व सांसद विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत।

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश

माथे पर लेपन, गले में राधा कंठी; प्रेमानंद महाराज का भक्त मयंक प्रयागराज में मिला

प्रयागराज प्रेमानंद महाराज का वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम लगातार चर्चा में है। 25 सितंबर को प्रेमानंद महाराज के एक शिष्य रसिक दुलारी शरण की खुदकुशी के बाद हाथरस के सादावाद के अनुज चौधरी, कासगंज के मयंक चौहान और एक युवती के लापता होने के आरोप सामने आए थे। अब अनुज चौधरी और मयंक चौहान सकृशल मिल गए हैं। तीन महीने से गायब बताए जा रहे 17 साल के अनुज चौधरी को पुलिस ने बरसाना के लाडली दास आश्रम से बरामद किया तो मयंक प्रयागराज में मिला। इन दोनों के परिवारों के लोगों ने संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम राधा केलि कुंज के बाहर प्रदर्शन किया था। प्रयागराज में मिले मयंक ने माथे पर मिट्टी का लेपन और गले में राधा नाम की कंठी धारण कर रखी थी। मयंक चौहान को 57 दिनों बाद पाकर उसके परिवार में खुशी

उत्तर प्रदेश

माथे पर लेपन, गले में राधा कंठी; प्रेमानंद महाराज का भक्त मयंक प्रयागराज में मिला

प्रयागराज प्रेमानंद महाराज का वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम लगातार चर्चा में है। 25 सितंबर को प्रेमानंद महाराज के एक शिष्य रसिक दुलारी शरण की खुदकुशी के बाद हाथरस के सादावाद के अनुज चौधरी, कासगंज के मयंक चौहान और एक युवती के लापता होने के आरोप मामा को सौंप दिया। मयंक के पिता चंद्रपाल सिंह ने बताया कि शनिवार की देर रात डेढ़ बजे उन्हें प्रयागराज के दारागंज थाने से फोन आया कि उनका बेटा मयंक उनकी कस्टडी में है।

जिसे उन्होंने न्यूज चैनल की खबर में देखकर पहचाना भी। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे से वीडियो कॉल पर बात कर तस्दीक की। पिता चंद्रपाल के अनुसार मयंक ने सफेद रंग का साधु वेश धारण किया हुआ था। माथे पर मिट्टी का लेपन और गले में राधा नाम की कंठी थी। अपने बेटे को पहचान कर उन्होंने उसके मामा को जानकारी दी

कौन हैं रामप्रताप सिंह चौहान जिन्हें भाजपा ने राज्यसभा के लिए चुनाव 2017 में पहुंचे थे विधानसभा



हाल ही संगठन ने रामप्रताप को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया था। डेढ़ दशक तक रामप्रताप ने संगठन के अलग–अलग स्तरों पर काम किया। रामप्रताप राजनीतिक करिअर की बात करें तो 1991 से रामप्रताप सिंह चौहान ने बीजेवाईएम के मंडल अध्यक्ष के रूप में संगठन में अपने काम की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने भाजयुमो महानगर अध्यक्ष, ब्रज क्षेत्र के प्रभारी, प्रदेश संगठन में विभिन्न पदों पर काम किया है। उन्होंने 2017 में एत्मादपुर सीट से पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ा था। लंबे समय तक संगठन में अनुभव रखने वाले रामप्रताप सिंह 2022 में भी विधानसभा से दांव आजमाना चाहते थे, लेकिन पार्टी से उन्हें टिकट नहीं मिला था। 2023 में रामप्रताप को भाजपा ने प्रदेश महामंत्री बना दिया और जून 2026 को भाजपा की नई प्रदेश टीम में उन्हें एक बार फिर प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। मौजूदा समय में संगठनात्मक जिम्मेदारी में उनका दायरा काफी बढ़ा है। अभी

हाल ही संगठन ने रामप्रताप को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया था। डेढ़ दशक तक रामप्रताप ने संगठन के अलग–अलग स्तरों पर काम किया। रामप्रताप राजनीतिक करिअर की बात करें तो 1991 से रामप्रताप सिंह चौहान ने बीजेवाईएम के मंडल अध्यक्ष के रूप में संगठन में अपने काम की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने भाजयुमो महानगर अध्यक्ष, ब्रज क्षेत्र के प्रभारी, प्रदेश संगठन में विभिन्न पदों पर काम किया है। उन्होंने 2017 में एत्मादपुर सीट से पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ा था। लंबे समय तक संगठन में अनुभव रखने वाले रामप्रताप सिंह 2022 में भी विधानसभा से दांव आजमाना चाहते थे, लेकिन पार्टी से उन्हें टिकट नहीं मिला था। 2023 में रामप्रताप को भाजपा ने प्रदेश महामंत्री बना दिया और जून 2026 को भाजपा की नई प्रदेश टीम में उन्हें एक बार फिर प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। मौजूदा समय में संगठनात्मक जिम्मेदारी में उनका दायरा काफी बढ़ा है। अभी

क्या प्रेमानंद महाराज आश्रम छोड़कर चले गए, वृंदावन में क्यों किए जा रहे हैं ऐसे दावे

लखनऊ वृंदावन स्थित प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के गुरु कृपा कुंज आश्रम में उनके शिष्य दीपक लोधी (रसिक दुलारी शरण) की मौत के बाद उपजा विवाद अब और गहरा गया है। 25 सितंबर को चौथी मंजिल से गिरकर हुई दीपक की मौत और उसके बाद आए दर्दनाक सीसीटीवी फुटेज के बाद आश्रम के बाहर परिजनों के प्रदर्शन से माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया था। हालाकि, राधा केलि कुंज ट्रस्ट ने निष्पक्ष जांच में सहयोग देने और प्रेमानंद महाराज के आहत होने की बात कही थी, लेकिन अब स्थानीय हिंदुवादी नेताओं और संतों के बयानों ने इस मामले को नया तूल दे दिया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश शर्मा फलाहारी ने इस पूरे घटनाक्रम पर हैरान करने वाला दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने कहा कि आश्रम में असली बनाम नकली संतों के दो धड़े बन गए हैं। नकली संतों का गुट संत



है। इसके अलावा अपर पुलिस अधीक्षक यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोत्रति बोर्ड रहे आलोक कुमार जायसवाल का लखनऊ से बरेली के लिए ट्रॉसफर किया गया था लेकिन निरस्त कर दिया गया। इसी तरह अपर पुलिस उपअुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर रहे संतोष कुमार का तबादला अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट लखनऊ के लिए हुआ था। इनका भी ट्रॉसफर कैसिल कर दिया गया है। एक सप्ताह पहले ही शासन ने तीन

उत्तर प्रदेश

माथे पर लेपन, गले में राधा कंठी; प्रेमानंद महाराज का भक्त मयंक प्रयागराज में मिला

की लहर दौड़ गई है। पुलिस अब यह पता लगान में जुटी है कि आखिर पिछले 57 दिनों तक मयंक कहां रहा और वह किन परिस्थितियों में प्रयागराज पहुंचा। देर रात प्रयागराज पुलिस ने मयंक चौहान को सकृशल बरामद कर उसके मामा को सौंप दिया। मयंक के पिता चंद्रपाल सिंह ने बताया कि शनिवार की देर रात डेढ़ बजे उन्हें प्रयागराज के दारागंज थाने से फोन आया कि उनका बेटा मयंक उनकी कस्टडी में है।

जिसे उन्होंने न्यूज चैनल की खबर में देखकर पहचाना भी। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे से वीडियो कॉल पर बात कर तस्दीक की। पिता चंद्रपाल के अनुसार मयंक ने सफेद रंग का साधु वेश धारण किया हुआ था। माथे पर मिट्टी का लेपन और गले में राधा नाम की कंठी थी। अपने बेटे को पहचान कर उन्होंने उसके मामा को जानकारी दी

कौन हैं रामप्रताप सिंह चौहान जिन्हें भाजपा ने राज्यसभा के लिए चुनाव 2017 में पहुंचे थे विधानसभा

हाल ही संगठन ने रामप्रताप को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया था। डेढ़ दशक तक रामप्रताप ने संगठन के अलग–अलग स्तरों पर काम किया। रामप्रताप राजनीतिक सक्रियता के चलते सिंह की राजनीतिक शुरुआत 1991 में हुई थी। 1994 तक उन्होंने भाजयुमो आगरा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी

संभाली। इसके बाद 1994 से 1998 तक महानगर उपाध्यक्ष और 1998 से 2001 तक महानगर अध्यक्ष रहे। संगठन में लगातार सक्रियता के चलते उन्हें 2001 से 2005 तक ब्रज क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। इसके बाद प्रदेश संगठन में उनकी जिम्मेदारियां बढ़ती गईं। 2005–06 में वह भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा रामप्रताप ने आगरा जिलाध्यक्ष का जिम्मेदारी भी संभाली थी। 2007 से 2012 तक रामप्रताप ब्रज क्षेत्र में प्रदेश महामंत्री और 2013 से 2016 तक प्रदेश मंत्री भी रहे। राज्यसभा चुनाव को लेकर सोमवार को जारी भाजपा की लिस्ट में आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। घोषित उम्मीदवारों के चयन में पार्टी ने संगठनात्मक अनुभव के साथ क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरणों को भी साधने की कोशिश की है। भाजपा की ओर से घोषित उम्मीदवारों में धर्मपाल सिंह का नाम प्रमुख है। इसके अलावा राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया गया है।

दूसरी बार फरियादी आया तो तय होगी जवाबदेही, सीएम योगी की अफसरों को सख्त हिदायत

लखनऊ सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी के अफसरों को फरियादियों की समस्याओं के तत्काल समाधान की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि यदि एक ही समस्या लेकर फरियादी दूसरी बार आता है और उसकी समस्या सही है तो फिर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। सीएम योगी ने यह हिदायत सोमवार की सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में दूरदर्शा से आए लोगों की फरियाद सुनने के बाद दी। उन्होंने लोगों को समाधान का भरोसा देते हुए अधिकारियों से कहा कि प्रशासन हर समस्या का उचित समाधान समयबद्ध ढंग से कराए। सीएम

रायबरेली, खीरी और बरेली समेत पांच जिलों के एएसपी बदले, दो अफसरों का तबादला निरस्त

और आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले थे। इनमें प्रतीक्षारत रहे आईजी डा.मनोज कुमार को आईजी पीएस पश्चिम जोन, मुरादाबाद के पद पर तेनाती दी गई है। डीआईजी यूपी एसआईएसएफ हमेराज मीना को बुद्ध कृष्ण एवं प्रौद्योगिकी लिवि कुशीनगर बनाए गए हैं। अभिनव कन्नौजिया एसडीएम अमेठी से संयुक्त दुध आयुक्त, दुध आयुक्त कार्यलय, बुजेश कुमार सिंह एडीएम (नगर) मेरठ से सचिव मेरठ विकास प्राधिकरण, शिवानी सिंह संबद्ध राजस्व परिषद लखनऊ से एडीएम (नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) जालौन, प्रेम चंद्र मौर्य एडीएम (नामामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) जालौन से एडीएम (वि/रा) प्रतापगढ़, रामजी मिश्रा उपनिदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद से एडीएम (वि/रा) लखनऊ बनाए गए हैं।

बुधवार 07 अक्टूबर 20264

माथे पर लेपन, गले में राधा कंठी; प्रेमानंद महाराज का भक्त मयंक प्रयागराज में मिला

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज प्रेमानंद महाराज का वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम लगातार चर्चा में है। 25 सितंबर को प्रेमानंद महाराज के एक शिष्य रसिक दुलारी शरण की खुदकुशी के बाद हाथरस के सादावाद के अनुज चौधरी, कासगंज के मयंक चौहान और एक युवती के लापता होने के आरोप सामने आए थे। अब अनुज चौधरी और मयंक चौहान सकृशल मिल गए हैं। तीन महीने से गायब बताए जा रहे 17 साल के अनुज चौधरी को पुलिस ने बरसाना के लाडली दास आश्रम से बरामद किया तो मयंक प्रयागराज में मिला। इन दोनों के परिवारों के लोगों ने संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम राधा केलि कुंज के बाहर प्रदर्शन किया था। प्रयागराज में मिले मयंक ने माथे पर मिट्टी का लेपन और गले में राधा नाम की कंठी थी। अपने बेटे को पहचान कर उन्होंने उसके मामा को जानकारी दी

दादा को पोते ने गोली से उड़ाया, तमंचा फेंककर भागा; जमीन विवाद में बहा रिश्तों का खून

जहानगंज फर्रुखाबाद में जमीन के विवाद के चलते पोत्र ने दादा को गोली से उड़ा दिया। आनन–फानन उन्हें लोहिया अस्पताल ले जाया गया। जहां से मेडिकल कॉलेज कन्नौज रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि रतनपुर गांव निवासी 70 वर्षीय गजेंद्र सिंह गांव के बाहर धार्मिक स्थल बनाकर रहते थे। पास में ही उनकी दुकानें हैं। रविवार शाम करीब चार बजे गजेंद्र अपनी दुकान के बाहर तख्त पर लेटे थे। इसी दौरान उनका पोत्र अकित आया और जमीन देने की बात कहते हुए झगड़ने लगा। वाद–विवाद के दौरान अंकित ने तमंचे से गजेंद्र पर फायर कर दिया। कंधे और पेट में गोली लगने से वह मौके पर ही गिर पड़े। आसपास के लोग दौड़े तो अंकित तमंचा छोड़कर भाग निकला। परिजन मौके पर पहुंचे और गजेंद्र को बाइक से लोहिया अस्पताल ले गए। वहां से मेडिकल कॉलेज कन्नौज रेफर कर दिया गया। जहां उनकी मौत हो गई। सूचना पर सीओ आलोक सिंह थाना पुलिस के साथ मौका–ए–वारदात पर पहुंचे और ग्रामीणों व परिजनों से पूछताछ की। सीओ ने बताया कि आरोपित की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा। रतनपुर गांव निवासी 70 वर्षीय वृद्ध गजेंद्र सिंह ने गेरुआ वस्त्र पहनते थे। गांव के बाहर धार्मिक स्थल बनाकर उसमें

रहते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुजुर्ग गोली लगने के बाद करीब 20 मिनट तक तख्त पर ही तड़पते रहे। इस बीच पर वालों को जानकारी मिली तो उनका दूसरा पोत्र शिवा और नाती अभिषेक मौके पर पहुंचे। बाइक से वृद्ध को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल लेकर गये जहां प्राथमिक इलाज के बाद वृद्ध को कन्नौज के मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पर सीओ आलोक सिंह, प्रभारी थानाध्यक्ष राकेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने तमंचे को अपने कब्जे में ले लिया। एक खोखा भी बरामद किया गया जो जमीन पर पड़ा हुआ था। वहीं दूसरा तमंचे में फंसा हुआ था। काफी देर तक फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर जांच पड़ताल करती रही। अब पुलिस अंकित के सभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। बताया गया है कि अंकित के मां–बाप का निधन होने के बाद वह अंदर मकान में अकेला ही रहता है। गांव के लोग भी हैरान हैं कि आखिर इस तरह से उसने कदम क्यों उठाया। इसी वारदात की गांव में चर्चा हो रही। मृतक की एक बेटी की शादी भी गांव में हुई है। 20 बीघा जमीन के एक टुकड़े ने रिश्तों की मर्यादा भी तार–तार कर दी।

दूसरी बार फरियादी आया तो तय होगी जवाबदेही, सीएम योगी की अफसरों को सख्त हिदायत

लखनऊ सीएम योगी आदित्यनाथ ने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंच कर उनकी पीड़ा जानी और आश्चर्य किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दे और समयबद्ध, पारदर्शी निस्तारण कराएं। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंच कर उनकी पीड़ा जानी और आश्चर्य किया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दे और समयबद्ध, पारदर्शी निस्तारण कराएं। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

उत्तर पश्चिम रेलवे	
 खुली निरिदा सं. एस एण्ड टी प्रोजेक्ट जेपी–2026–27–03 दि: 01.10.2026 उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर /परियोजना/ जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निरिदा सं. एस एण्ड टी–प्रोजेक्ट जेपी 2026–27–03 निरिदा सं. एस टी की तिथि 02.11.2026 समय 15:00 बजे तक का ऑन लाईन ई–टेंडर आमंत्रित किया जाता है। कार्य का नाम एवं 495 मीटर से 580 मीटर तक विस्तारित करना तथा 3 मीटर चौड़ाई के एफओबी का प्रावधान करना। अनुमानित लागत मूल्य: रु. 63328076.09; धरोहर राशि: रु. 1266600.00; नोट:- अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट www.irops.gov.in पर देखी जा सकती है।	
उत्तर पश्चिम रेलवे ई–निविदा सूचना	
ई–निविदा सूचना	
1431-AM/26	
हमें  NWR Railways पर फॉलो करें	हमें  NWR Railways पर फॉलो करें



बॉलीवुड अपडेट

ऋचा बोलीं- 2026 कंटेंट सिनेमा का साल नहीं



अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने फिल्म 'हनुमान अंश' की सफलता पर अपनी राय देते हुए कहा कि 2026 को कंटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि एक फिल्म की सफलता के आधार पर यह

सिनेमा के नए दौर की शुरुआत मानना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बेहतर कहानियों और अच्छे लेखकों को अधिक संसाधन और मेहनताना दिया जाना चाहिए। इससे कंटेंट आधारित फिल्मों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।



'हनुमान अंश' ने रिलीज के करीब दो महीने में बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन किया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने भारत में 324.73 करोड़ रुपये और दुनियाभर में 423.26 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। वक्रेफ़्ट की बात करें तो ऋचा चड्ढा अपने पति अली फजल के साथ 'मुसाफिरी' नाम की आठ एपिसोड की सीरीज पर काम कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट को ऋचा ने होस्ट, लिखा और प्रोड्यूस किया है।

निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि दर्शकों की पसंद में बड़ा बदलाव आया है। ऋचा ने कहा कि 'हनुमान अंश' की सफलता को अलग संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक पौराणिक और धार्मिक फिल्मों को दर्शकों का समर्थन मिलता रहा है, इसलिए सिर्फ इस फिल्म की सफलता से कंटेंट



रियलिटी शो: काजल ने आम्रपाली पर लगाए आरोप

रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल-2' में भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी ने अपनी निजी और पेशेवर ज़िंदगी से जुड़े कई अनुभव साझा किए। काजल ने भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उन्हें कई फिल्मों से बाहर किया गया और बाद में उन्हें पता चला कि इनमें से कुछ फैसलों के पीछे आम्रपाली का हाथ था। शो में काजल ने सह-प्रतियोगी

सारा गुरपाल से बातचीत के दौरान भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपने पुराने अनुभवों का जिक्र किया। उनसे पूछा गया था कि क्या उन्होंने पहले आम्रपाली के साथ काम किया है और दोनों के बीच कभी विवाद हुआ था। इस पर काजल ने कहा कि उन्हें कई फिल्मों से निकाल दिया गया था। लोकप्रिय गाने भी बदलने का आरोप: काजल ने

आरोप लगाया कि अगर वह किसी फिल्म में काम कर रही होती थीं और उसमें उनका कोई गाना लोकप्रिय हो जाता था तो कई बार वह गाना आम्रपाली को दे दिया जाता था। उन्होंने कहा कि उनके साथ इस तरह की घटनाएं कई बार हुईं। काजल ने यह भी दावा किया कि आम्रपाली के पीछे इंडस्ट्री के एक बड़े स्टार का समर्थन था। उनके मुताबिक इसी वजह से आम्रपाली को कई

● बोलीं- कई फिल्मों से निकाला गया, लोकप्रिय गाने भी दूसरी अभिनेत्री को दिए गए

मामलों में फायदा मिलता था। हालांकि, काजल ने किसी अभिनेता का नाम नहीं लिया। बातचीत के आधार पर इसे अभिनेता दिनेश लाल यादव से जोड़कर देखा जा रहा है। काजल ने कहा कि उन्होंने जब इन मामलों को लेकर अपनी बात रखी तो कई लोगों को यह पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो भी बात कही, उसके पीछे उनका अपना अनुभव और कारण था।

सोशल मीडिया

इनकम टैक्स रेड की खबरों पर भड़कीं रकुल प्रीत सिंह: बोलीं- मेरे ठिकानों पर नहीं हुई छापेमारी



20 साल की उम्र से भर रही हूं टैक्स: रकुल प्रीत

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर सख्त आपत्ति जताई है, जिनमें उनके ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी का दावा किया जा रहा था। रकुल ने सोशल मीडिया पर एक लंबा बयान जारी कर इन रिपोर्टों को 'झूठा, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण' बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आयकर विभाग की यह जांच या छापेमारी उनसे संबंधित नहीं थी। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर कर मीडिया पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि बिना तथ्यों की जांच किए बिना खबरों को सनसनीखेज बनाने का चलन दुःखद है। उन्होंने कहा कि वे सभी के सामने सच रखना चाहती हैं कि जिस रेड का जिक्र किया जा रहा है, उसका उनसे कोई लेना-देना नहीं है।

● 'आर्म्ड फोर्सेस बैकग्राउंड से हूं, 20 की उम्र से दे रही हूं टैक्स'

अपनी सफाई में रकुल ने कहा कि वे एक आर्म्ड फोर्सेस (सशस्त्र बल) बैकग्राउंड से आती हैं और फिल्म इंडस्ट्री में उनका कोई गॉडफादर नहीं रहा है। उन्होंने कड़ी मेहनत से अपना नाम बनाया है और एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर 20 साल की उम्र से ही नियमित रूप से टैक्स जमा कर रही हैं। रकुल ने आगे लिखा कि वे व्यक्तिगत रूप से या किसी भी प्रोडक्शन हाउस के जरिए किसी भी तरह के अवैध विदेशी लेन-देन में शामिल नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि देश या विदेश में कहीं भी उनके पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है और न ही वे ऐसे महंगे उपहार स्वीकार करती हैं।

● 'कमाई के दबाव में किसी की साख न बिगाड़ें: फिल्म फाइनिंग के नाम पर गड़बड़ी के आरोपों को खारिज करते हुए रकुल ने झूठी खबरें छापने वाले मीडिया संस्थानों से

अपनी रिपोर्ट्स वापस लेने और सच सामने लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मीडिया हाउस चलाने के अपने व्यावसायिक दबाव हो सकते हैं, लेकिन यह किसी के सम्मान, आजीविका और तथ्यों की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

● 12 ठिकानों पर छापेमारी की खबर थी: हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आयकर विभाग ने रकुल प्रीत सिंह और उनके ससुर व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है।

एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 28 सितंबर को संदिग्ध वित्तीय अनियमितताओं और फिल्मों के नाम पर विदेश में धन भेजने के आरोपों की जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की गई थी। हालांकि, इन छापों की खबरों पर वासु भगनानी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

● ड्रग्स केस में आया था रकुल के भाई का नाम

रकुल प्रीत सिंह का परिवार पहले भी कानूनी विवादों में रह चुका है। दिसंबर 2025 में मुंबई पुलिस ने ड्रग्स केस में रकुल के भाई अमन प्रीत सिंह की तलाश शुरू की थी। ड्रग लॉ एनफोर्समेंट फोर्स और वेस्ट जोन पुलिस ने दो ड्रग तस्करो को गिरफ्तार कर उनके पास से 43 ग्राम कोकीन और 11.5 ग्राम MDMA जब्त किया था। जांच के दौरान आरोप लगा था कि अमन प्रीत सिंह ने उन तस्करो से पांच बार नशीले पदार्थ खरीदे थे। इस मामले में अमन की गिरफ्तारी भी हुई थी।

इससे पहले रकुल का नाम भी ड्रग्स केस में आ चुका है। सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस की जांच के दौरान ड्रग्स के इस्तेमाल को लेकर रिया चक्रवर्ती ने पूछताछ में सारा अली खान और रकुल प्रीत का नाम लिया था।

कोमल रानी के आरोपों पर टीना ने साधी चुप्पी

बोलीं- सिर्फ कार्यक्रम से जुड़े सवाल करें, सुनीता पर लगाए गए आरोपों पर नहीं दिया जवाब

सुनीता आहूजा और कोमल रानी के बीच चल रहे विवाद पर गोविंदा की बेटी टीना आहूजा ने प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। कोमल रानी के मां सुनीता आहूजा पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बीच, जब एक इवेंट में मीडिया ने टीना से इस बारे में सवाल पूछा, तो उन्होंने मामले से दूरी बना ली और बिना जवाब दिए वहां से चली गईं। इवेंट के दौरान टीना से मीडिया ने पूछा, कोमल रानी इंस्टाग्राम पर आपकी मम्मी सुनीता आहूजा पर कई आरोप लगा रही हैं।



इस सवाल को सुनते ही टीना ने तुरंत इसे टाल दिया और कहा, प्लीज हम यहां सिर्फ इवेंट के बारे में बात करते हैं... धन्यवाद। इतना कहने के बाद वे पैपराजी के बीच से आगे बढ़ गईं और बात आगे नहीं बढ़ाई।

● कोमल रानी का सुनीता आहूजा पर आरोप

यह पूरा मामला तब गरमाया जब कोमल रानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा नोट शेयर कर सुनीता आहूजा पर तोखे आरोप लगाए। कोमल ने लिखा, जो औरत सालों से अपने ही पति की जान लेने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बहुतों किसी को नहीं लगती। उन्होंने आगे कहा कि जो घर पहले से टूटा हुआ हो, उसे कोई और नहीं तोड़ सकता। कोमल ने सवाल उठाया कि क्या यह सच में दर्द है या फिर लोगों की सहानुभूति हासिल करने के लिए रची गई कोई सोची-समझी साजिश है।

अपने एजेंडे के लिए उनके नाम का इस्तेमाल बंद करें।

● सुनीता ने कहा था- मेरा घर बर्बाद कर रही है: दरअसल, दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद सुनीता आहूजा ने कहा कि मैं आज दक्षिणेश्वर काली माता रानी का दर्शन करने आई हूं। आप सब जानते हैं कि महाकाली राक्षसों का नाश करती हैं। मेरे भी जीवन में कुछ राक्षस हैं, माता द्वारा बोलने आई हूं कि उनका भी नाश करें। उन्होंने आगे कहा, जो मेरे साथ हो रहा है वो अच्छा नहीं हो रहा है, ये घर मेरा टूट रहा है बिना किसी मतलब और मैं चाहती हूं आप सब औरतें मेरे लिए स्टैंड लें, सारे जेन-जी बच्चे मेरे लिए स्टैंड लें और मीडिया से दूरख्वास्त करती हूं कि प्लीज ये चीज को आप आगे न बढ़ाएं। आप लोग को भी कायदे से मुझे सपोर्ट करना चाहिए। मैं माता से यही मांगने आई हूं कि मेरा घर बर्बाद कर रही है, माता उसे देखें। वो राक्षसों का नाश करने वाली माता रानी हैं, और मैं चाहती हूं मेरे जीवन से ये संकट हट जाए। जय मां काली, जय मां काली।

डीपफेक वीडियो पर भड़कीं

जान्हवी कपूर

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' के गाने 'चुट्टामल्ले' पर बने AI जनरेटेड अश्लील (डीपफेक) वीडियो पर कड़ी नाराजगी जताई है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक बयान जारी कर उन्होंने तकनीक के इस गलत इस्तेमाल को यौन उत्पीड़न के बराबर बताया। जान्हवी ने कहा कि बिना मर्जी के महिलाओं का ऐसा कंटेंट बनाना उनकी गरिमा का गंभीर उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने इस मुद्दे पर खुलकर बोलने और समर्थन देने के लिए अपने को-स्टार जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और खुशबू का आभार व्यक्त किया। जान्हवी कपूर ने अपने बयान में लिखा कि महिलाओं को केवल एक वस्तु की तरह दिखाना और उनकी सहमति के बिना एडिटेड कंटेंट फैलाना बेहद गंभीर मामला है। यह आपराधिक कृत्य

लगभग यौन उत्पीड़न के ही समान है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री की लगभग हर महिला ने किसी न किसी रूप में इस परेशानी का सामना किया है। अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हर जगह आम महिलाएं भी इसका शिकार हो रही हैं। महिला की सहमति और मर्जी का सम्मान होना चाहिए: एक्ट्रेस ने महिलाओं की पसंद और उनके शरीर के प्रति सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर कोई महिला पांच दिन 'हा' कहती है और छठे दिन 'ना', तो उस 'ना' का सम्मान किया जाना चाहिए। मिनीस्कॉर्ट पहनने का मतलब यह नहीं होता कि कोई उसके नीचे कैमरा लगाए या उसके शरीर का गलत इस्तेमाल करे। महिला किस चीज में सहज है और अपनी सीमा कहां तय करती है, यह फैसला पूरी तरह से उसी का होना चाहिए। जान्हवी ने आगे कहा कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों पर महिलाओं को सीमाओं के उल्लंघन का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सलाह दी कि लोगों को सिर्फ अपनी बेटियों की सुरक्षा करने की बात कहने के बजाय अपनी सोच बदलनी होगी।

बोलीं- तकनीक का गलत इस्तेमाल यौन उत्पीड़न जैसा, जूनियर एनटीआर और चिरंजीवी का जताया आभार

सलमान के बाद नीतू कपूर ने पैपराजी पर कसा तंज



बॉलीवुड में इन दिनों पैपराजी के बैक शांत्स को लेकर बहस छिड़ी हुई है। सलमान खान और नेहा धूपिया के बाद अब नीतू कपूर ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की है। दरअसल, पैपराजी ने नीतू से कैमरे की तरफ पीठ करके पोज देने को कहा, तो उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में पलटकर पूछा- 'आपको ये बड़ा अच्छा लगता है ना, बैक?' नीतू का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और इस अंदाज की चर्चा हो रही है।

पैपराजी ने नीतू से मांगा बैक पोज नीतू कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में नीतू एक जगह से निकलकर अपनी कार की ओर जाती नजर आ रही हैं। वहां मौजूद पैपराजी उनसे तस्वीरें लेने के लिए पोज देने को कहते हैं। पैपराजी की बात सुनने के बाद नीतू कैमरे की तरफ पीठ करके खड़े होने के बजाय उनकी तरफ देखती हैं। इसके बाद वह तंज भरे अंदाज में कहती हैं- 'आपको ये बड़ा अच्छा लगता है ना, बैक?'

नीतू के इस सवाल पर पैपराजी तुरंत कहते हैं कि ऐसा नहीं है। इसके बाद नीतू बहस नहीं करतीं। वह मुस्कुराते हुए उन्हें बाय कहती हैं और अपनी कार में बैठकर वहां से चली जाती हैं। नीतू कपूर के इस वीडियो की ख़ास बात उनका अंदाज है। उन्होंने पैपराजी को डांटने या बहस करने के बजाय एक सवाल के जरिए अपनी बात रखी। उनके सवाल में बैक शांत्स को लेकर नाराजगी साफ नजर आई।



एक नज़र

भारतीय क्रिकेटर माफी मांगें, तब खेलेंगे; नहीं मानी गई शर्त तो पाकिस्तान ने डब्ल्यूसीएल से वापस लिया नाम

नई दिल्ली पीएम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में ना खेलने का फैसला किया है। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के सीजन 3 से नाम वापस ले लिया है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तानी लीजेंड्स का मैच तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया था। हालांकि, यह जानकारी ज्यादातर लोगों को पता थी कि प्रबंधन पीसीबी द्वारा जारी किए जाने वाले एनओसी का इंतजार कर रहा था। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पीसीबी ने एनओसी जारी कर दिया, लेकिन कुछ शर्तें रखीं, जिन्हें आयोजकों ने अस्वीकार कर दिया। पीसीबी ने शर्त रखी थी कि पिछले सीजन हुए ड्रामे पर भारतीय लीजेंड्स माफी मांगें। बीते साल भारत में पहलगाम आतंकी हमला हुआ था जिसके पीछे पाकिस्तानी आतंकियों का हाथ बताया गया था। इस घटना के बाद भारतीय लीजेंड्स की टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलने से इनकार कर दिया था। इस कारण पहले तो ग्रुप स्टेज के मुकाबले रद्द कर दिए गए थे इसके बाद सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम अपने फैसले पर अड़ी रही। भारत ने सेमीफाइनल नहीं खेला और पाकिस्तान को वॉकओवर मिल गया। फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका लीजेंड्स के बीच खेला गया जिसमें पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने हाथ भी नहीं मिलाया था। सूत्रों के अनुसार, पीसीबी चाहता था कि भारतीय टीम पिछले साल के विवाद के लिए माफी मांगें। हालांकि, लीजेंड्स लीग की आयोजन समिति ने इन पाकिस्तान की इन मांगों को सिर्रे से खारिज कर दिया। इस घटना के चलते पाकिस्तान को टूर्नामेंट से नाम वापस लेना पड़ा। पाकिस्तान के पास इसके अलावा कोई विकल्प भी नहीं था। सूत्र ने हिंदुस्तान टाइम्स डिजिटल से बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कुछ शर्तें लगाकर लीजेंड्स टीम को वर्ल्ड लीजेंड्स चैंपियनशिप खेलने की इजाजत दी थी और एनओसी जारी किया था। हालांकि, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स की प्रबंधन टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की इस मांग खारिज कर दिया। सूत्र ने बताया कि पीसीबी चाहता था कि भारतीय लीजेंड्स पिछले साल मैदान पर ना उतरने के लिए लिखित माफी मांगें। साथ ही साथ बोर्ड यह भी चाहता था कि भारतीय खेमा इस बार हाथ मिलाते के लिए तैयार हो। हालांकि,चैंपियनशिप आयोजित कराने वाले प्रबंधन ने इन मांगों को सिर्रे से अस्कीकार कर दिया। बता दें कि इससे पहले WCL सीजन 3 के आयोजकों ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित किया था, जिसमें भारत बनाम पाकिस्तान का मैच 10 अक्टूबर को होना था। हालांकि, पाकिस्तान द्वारा प्रतियोगिता से आधिकारिक तौर पर नाम वापस लेने के बाद यह मैच अब नहीं होगा।

‘इमरान खान इसके हकदार नहीं’, रवि शास्त्री ने जेल में बंद पूर्व पाकिस्तानी पीएम को लेकर की बड़ी अपील

नई दिल्ली पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर पड़ोसी मुक्त की रियासत फिर गरमा गई है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने एक बार फिर पाकिस्तान के सड़कों पर उतरें हैं। वहीं इमरान खान को लेकर टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर रवि शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। रवि शास्त्री ने इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई है। इमरान खान साल 2023 से जेल में हैं और उनकी गिरते सेहत को लेकर लगातार खबरें सामने आती हैं। रवि शास्त्री ने कहा कि, एक महान क्रिकेटर के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, उसे देखकर वह हैरान हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान के साथ इस तरह का बर्ताव नहीं होना चाहिए। शास्त्री ने साफ कहा कि वह इस मामले में कोई राजनीतिक बयान नहीं दे रहे हैं, बल्कि इंसानियत के नाते अपनी बात रख रहे हैं। रवि शास्त्री ने ‘रिपब्लिक वर्ल्ड’ से कहा कि इमरान खान के साथ मौजूदा व्यवहार देखकर उन्हें काफी हैरानी होती है। उनके मुताबिक, किसी भी इंसान को इस तरह की स्थिति से नहीं गुजरना चाहिए। उन्होंने कहा कि, उन्हें नहीं लगता कि इमरान खान को जिस तरह से रखा गया है, वह उसके हकदार है। उन्होंने यह भी कहा कि, वह सिर्फ अपनी राय नहीं रख रहे हैं, बल्कि दुनिया भर में कई क्रिकेटर ऐसे होंगे, जो इस मामले में उनकी तरह ही सोचते होंगे। बता दें कि, इमरान खान इस समय रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उनकी तबीयत लगातार खराब होने की खबरों के बीच उनके इलाज को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में 21 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर इमरान खान को बेहतर इलाज देने की अपील की थी, लेकिन इस अपील पर कोई खास कार्रवाई नहीं हुई।

शादी टूटने के बाद पृथ्वी शॉ को बड़ी खुशखबरी, इस टीम के बने कप्तान, वैभव-सचिन भी शामिल

नई दिल्ली पृथ्वी शॉ की हाल के दिनों में शादी टूटने की खबर सामने आई। उनकी मंगेतर ने साफ किया कि दोनों लोगों ने आपसी सहमति से निर्णय लिया है कि वे एक-दूसरे के साथ नहीं रहेंगे और ना ही यह शादी होगी। किसी की भी जिंदगी के लिए ऐसे पल बड़े दुखद और कई बार असहनीय होते हैं। जाहिर है पृथ्वी और उनकी पार्टनर के लिए भी रहे हों। हालांकि, इसके कुछ ही दिन बाद पृथ्वी शॉ के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। वे महाराष्ट्र रणजी टीम के कप्तान बनाए गए हैं। पृथ्वी शॉ एक मैच में महाराष्ट्र की कप्तान सभालेंगे। उनको यह

जिम्मेदारी इसलिए दी गई है, क्योंकि नियमित कप्तान ऋतुरात गायकवाड़ भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच अनौपचारिक वनडे सीरीज खेलने में व्यस्त रहेंगे। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच ये मुकाबले 6, 9 और 11 अक्टूबर को पांडुचेरी में खेले जाएंगे। वहीं, रणजी ट्रॉफी के 2026-27 सत्र की शुरुआत भी 11 अक्टूबर से होगी। ऐसे में गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र की कप्तान सभालेंगे। पृथ्वी शॉ (कप्तान), सचिन दास, वैभव दरकुडे, दिग्विजय पाटिल, अंकित बवाने, हर्षल केट्ट, सिदेश वीर, सौरभ नवले (विकेटकीपर),

वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन ही नहीं, कोच गौतम गंभीर के लिए ये भी सिरदर्द; पहले टी20 में बदलाव तय

नई दिल्ली एशियन गेम्स 2026 की गोल्ड मेडल विजेता भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को लखनऊ में होने वाले पहले टी20 मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए सबसे बड़ी दुविधा संजू सैमसन और युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक का चयन करने को लेकर होगी। एशियाई खेलों में वीपीएस लक्ष्मण कोच थे और उन्होंने सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को प्लेइंग इलेवन में रखा था लेकिन अब गंभीर कोच है और ऐसे में रणनीतिक बदलाव होना तय है, भले ही दोनों कोच आठवें नंबर तक बल्लेबाजी रखने में विश्वास रखते हैं। लेकिन अगर गंभीर की रणनीति को करीबी नजर से देखें तो वह सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में नहीं रखेंगे। अभिषेक शर्मा सलामी बल्लेबाज के रूप पसंद बने हुए हैं। निशिन सिटी के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खराब पिचों पर लक्ष्मण ने इन तीनों बल्लेबाजों को टीम में रखा। सूर्यवंशी और विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत की, जबकि सैमसन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। यह फैसला पिच की स्थिति को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। लेकिन लखनऊ के एकाना स्टेडियम की पिच पर गंभीर एक बार फिर सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में वापस लाने के बारे में सोच सकते हैं, क्योंकि निचले क्रम में



ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी का बैकअप मौजूद है। सैमसन नंबर तीन पर सहज नहीं दिखे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में दो अर्धशतक बनाए थे। मध्य क्रम में पहले से ही कप्तान श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, उपकप्तान तिलक वर्मा, ऑलराउंडर शिवम दुबे और रेड्डी के साथ-साथ अक्षर पटेल भी मौजूद हैं। ऐसे में सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को अंतिम एकदश में रखने की संभावना बहुत कम है। कोच गंभीर के लिए एक और सिरदर्द तेज गेंदबाजी आक्रमण होगा जिसमें अनुभवी अर्शदीप सिंह और अफगानिस्तान जैसी कम रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत हासिल की है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो भारत की टीम मजबूत स्थिति में नजर आती है क्योंकि उसने स्क्वैड में नजर आती है गुजरात के अक्षर पटेल (तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच) शामिल हैं। स्पिन गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और कुनदीप यादव सभालेंगे। अगर गंभीर बल्लेबाजी को मजबूत करना चाहते हैं, तो नमन धीर को प्रिंस

भारतीय गेंदबाजों ने पहले दिन बरपाया कहर, ऑस्ट्रेलिया -19 को 174 रनों पर सेमेटा

नई दिल्ली तन्मय बालोदा (छह विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारतीय अंडर-19 टीम ने सोमवार को दूसरे यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 174 रन पर समेटने के बाद स्टप्स के समय दो विकेट पर 38 रन बना लिये हैं। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम को थॉमस वासेओ ने सातवें ओवर में लक्ष्य रायचंदानी (एक) रन को आउट कर पहला झटका दिया। इसके बाद सागर विर्क और कुशाग्र ओझा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 12वें ओवर में स्पेंसर प्रीन ने सागर विर्क (16)रन को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। दोनों बल्लेबाजों के बीच 20 रनों की साझेदारी हुई। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारतीय अंडर-19 टीम ने दो विकेट पर 38 रन बना लिये है और वह अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 136 रन पीछे है। कप्तान यशवर्धन चौहान (नाबाद सात) रन और कुशाग्र ओझा (नाबाद 13) रन बनाकर क्रीज

पर मौजूद थे। इससे पहले आज अहमदाबाद में टॉस जीतकर कर भारतीय अंडर-19 टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने स्कोर तक अपने छह विकेट गांवा दिये। कप्तान मैथ्यू लव (पांच), हेडन बास्बुलोविक (आठ), एली ब्रेन (चार), नील पटेल (31), स्लेक कैटल (आठ) और जेड हॉलिक (छह) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद जेकब पीटज और चाली हैडरसन को अयान अकरम (37) ने अपना शिकार बनाया। 73वें ओवर की पांचवी गेंद पर बालोदा ने पेट्रिक सुलिवन (20) रन को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का 174 रन के स्कोर पर अंत कर दिया।

भुवनेश्वर कुमार इस टूर्नामेंट में करेंगे भारत की कप्तानी, करुणाल पांड्या भी टीम में शामिल

नई दिल्ली हांगकांग सिक्सेज सीरीज 2026 का 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक आयोजन होगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारत के स्कॉड का ऐलान हो गया है। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर भारत की कप्तानी करेंगे। आईपीएल सितारों से सजी भारत की सात सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर करुणाल पांड्या भी शामिल हैं। भुवनेश्वर और करुणाल आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हैं। दोनों ने लंबे समय से भारत के लिए कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला। 36 वर्षीय भुवी ने पिछली बार नवंबर में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। 35 वर्षीय करुणाल ने आखिरी इंटरनेशनल मैच जुलाई 2021 में खेला था। भुवनेश्वर, ऋणाल के अलावा टीम में राहुल तेवतिया, नितीश राणा, शशांक सिंह, राहुल त्रिपाठी और टी नटराजन हैं। 34 वर्षीय शशांक और 33 वर्षीय तेवतिया



को छोड़कर बाकी सभी खिलाड़ी भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं। भुवनेश्वर के पास इंटरनेशनल और आईपीएल का जबरदस्त एक्सपीरियंस है। वह नई गेंद से प्रभाव डालने की क्षमता रखते हैं। करुणाल पंड्या स्पिन ऑलराउंडर हैं। वह जरूरत पड़ने पर बल्ले से भी कप्तान दिखा सकते हैं। नितीश और राहुल शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज हैं। शशांक और तेवतिया अच्छे फिनिशर हैं। नटराजन, अपनी तेज गेंदबाजी से विपक्षी टीम को परेशान कर सकते हैं। हांगकांग

श्रीलंका क्रिकेट टीम के बने कप्तान, वैभव-सचिन भी शामिल

विक्की ओस्तवाल, राजवर्धन हंगरगेकर, मुकेश चौधरी, प्रदीप दाधे, तनय साघवी, हितेश वालुज, ऋषिकेश सोनावणे, अथर्व धर्माधिकारी। इस टीम में पृथ्वी शॉ के अतिरिक्त सचिन दास और वैभव दरकुड़े जैसे खिलाड़ी भी हैं। मुकेश चौधरी एक जाना पहचाना नाम है। इन नामों के अतिरिक्त डोमेस्टिक सर्कल में अच्छा खेलने वाले अन्य खिलाड़ी भी टीम में शामिल किए गए हैं। सर्विसेज के खिलाफ प्रदर्श शॉ की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन कैसा रहता है देखना दिलचस्प होगा। बता दें कि पृथ्वी शॉ पिछले साल ही महाराष्ट्र की टीम से जुड़े हैं। इससे

पहले वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलते थे। पृथ्वी शॉ एक अच्छे कप्तान हैं इसकी मिसाल वे साल 2018 में दे चुके हैं जब अंडर 19 टीम के कप्तान थे और भारत विश्व पृथ्वी शॉ की किस्मत चमकाई थी। वे इंडियन सीनियर टीम में चयनित हुए थे। उनका करियर बेहतर तरीके से भारतीय टीम में शुरू हुआ लेकिन फिर प्रदर्शन कम हुआ और टीम से बाहर हो गए। अब तो उन्हें आईपीएल टीम की प्लेइंग X1 में जगह बनाने में संघर्ष करना पड़ा रहा है। किसी तरह आईपीएल 2026 में पृथ्वी को दिल्ली कैपिटल्स ने उनके

बेस प्राइस पर खरीदा था, लेकिन उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला। ऐसे में महाराष्ट्र की कप्तानी मिलना पृथ्वी के लिए एक बड़ा कर्मबैक भी कहा जा सकता है। पृथ्वी ने जब अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की तब ज्यादातर विशेषज्ञों ने उनकी तकनीक को देखते हुए अगला सचिन तेंदुलकर बताया था। हालांकि, बाद में उनका करियर बुरी तरह नीचे गया। पृथ्वी टी20 को लिए टेस्ट, वनडे और टी20 को मिलाकर सिर्फ 12 इंटरनेशनल मैच खेल पाए हैं, जिसमें उन्होंने 528 रन बनाए हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ के अंडर खेलेंगे रजत पाटीदार, ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होगा एकदिवसीय सीरीज का आगाज

नई दिल्ली युवा तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह, अरशद खान और यश ठाकुर के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खुद को साबित करने का बड़ा मौका देगी क्योंकि ये गेंदबाज राष्ट्रीय टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में मौजूदा संस्थापनों की कमी के बीच अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे। दिग्गज हरफनमौला हार्दिक पांड्या की वापसी को लेकर इस श्रृंखला की काफी उत्सुकता थी लेकिन दाहिनी पिंडली की चोट के कारण वह अनिश्चितकाल के लिए बाहर हो गए हैं। तेज गेंदबाजी करने वाले हरफनमौला खिलाड़ियों की बात करें तो भारतीय क्रिकेट में फिलहाल विकल्प सीमित हैं। पांड्या के अलावा नीतिश कुमार रेड्डी और सूर्यश शेंडगे प्रमुख विकल्पों में शामिल हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहब (चोट से उबरना) पूरा करने वाले शेंडगे को पांड्या की जगह भारत ए टीम में शामिल किया गया है। नमन धीर के वेस्टइंडीज श्रृंखला के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से जुड़ने के बाद लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे अमुकूल रॉय को ए टीम में शामिल किया गया है। ऋतुराज गायकवाड़ की अमुआई वाली भारत ए टीम में बल्लेबाजी का अनुभव भरपूर है। कप्तान गायकवाड़ के अलावा देवदत्त पडिक्कल, बी.साई सुर्जन और रजत पाटीदार सीनियर भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं। रजत पाटीदार आरसीबी को दो बार की चैंपियन टीम

के मौजूदा कप्तान भी हैं। प्रज्ञान ओझा की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए बड़ी चिंता ए टीमों के रास्ते वनडे क्रिकेट के लिए अच्छे गेंदबाज तैयार करने की है। भारत ए टीम की एक बड़ा सवाल यह है कि गुरजपनीत और अरशद दोनों बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जबकि यश ठाकुर दाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं। श्रीलंका में भारत ए की त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान अरशद ने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। वह निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, जिससे उनकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। तीनों गेंदबाजों का लिस्ट-ए क्रिकेट में रिकॉर्ड अच्छा है। गुरजपनीत ने नौ मैचों में 17 जबकि अरशद ने 11 विकेट्स सीमित हैं। पांड्या के अलावा नीतिश कुमार रेड्डी और सूर्यश शेंडगे प्रमुख विकल्पों में शामिल हैं। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहब (चोट से उबरना) पूरा करने वाले शेंडगे को पांड्या की जगह भारत ए टीम में शामिल किया गया है। नमन धीर के वेस्टइंडीज श्रृंखला के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से जुड़ने के बाद लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे अमुकूल रॉय को ए टीम में शामिल किया गया है। ऋतुराज गायकवाड़ की अमुआई वाली भारत ए टीम में बल्लेबाजी का अनुभव भरपूर है। कप्तान गायकवाड़ के अलावा देवदत्त पडिक्कल, बी.साई सुर्जन और रजत पाटीदार सीनियर भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं। रजत पाटीदार आरसीबी को दो बार की चैंपियन टीम

कोच-कप्तान ने 2027 वर्ल्ड कप को लेकर ये स्पष्ट किया, केएल राहुल बोले- ऐसे खिलाड़ियों को समय देंगे जो

नई दिल्ली भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल का कहना है कि वह गेंद पुरानी पड़ जाने के बाद उसके सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने खेल में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि बीच के ओवरों में अधिक से अधिक रन बना सकें। उन्होंने साथ ही कहा, कोच और कप्तान ने उन खिलाड़ियों के बारे में स्पष्ट रूप से बता दिया है जिन्हें वे वर्ल्ड कप की टीम में शामिल करना चाहते हैं। वे कुछ ऐसे खिलाड़ियों को अधिक समय देना चाहते हैं जो हमें लगता है कि वर्ल्ड कप के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। 2027 में वनडे वर्ल्ड

कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होगा। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 87 गेंदों पर 129 रन बनाने वाले राहुल ने जियोस्टार से कहा, आखिरी 10 ओवरों में 80-90 रन बनाना आसान नहीं है। जब गेंद पुरानी और नरम हो जाती है और रिवर्स स्विंग करने लगती है और अगर लागू ऑन और डीप मिडविकेट की बाउंड्री बड़ी हो तो वहां खड़े क्षेत्ररक्षकों को देखते हुए लंबे शॉट खेलना आसान नहीं होता है। उन्होंने कहा, मुझे तेज गेंदबाजों का सामना फायदा पसंद है। मैं उनकी गति का फायदा उठा

सकता हूं। मैं इसी पर काम कर रहा हूं। पुरानी गेंदों से खेलने की कोशिश कर रहा हूं और उन पर छक्के लगाने में सक्षम बनना चाहता हूं। राहुल ने कहा, मैं लगातार अपने खेल में सुधार करने की कोशिश करता हूं। मैं अपनी भूमिका समझता हूं। मैं यह जानता हूं कि नंबर पांच और नंबर छह के बल्लेबाज को लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए क्या करना होता है। बेंगलुरु के इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि 350 का स्कोर भी अब सुरक्षित नहीं है और ऐसे में मध्य क्रम के बल्लेबाजों को पहले से कहीं अधिक तेजी से रन बनाने की

रोहित शर्मा का रिकॉर्ड खतरे में, हेटमायर और पॉवेल नंबर-1 के दावेदार

नई दिल्ली भारत और वेस्टइंडीज के बीच मंगलवार से लखनऊ में पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज होने जा रहा है। भारत वनडे के बाद अब टी20 सीरीज जीतने की फिफाक में होगा। भारत ने घर पर खेले गए पिछले 10 मैचों में से 9 में वेस्टइंडीज को हराया है। हालांकि, वेस्टइंडीज को अन्य फॉर्मेट की तुलना में टी20 में मजबूत टीम माना जाता है। वेस्टइंडीज के पास सबसे छोटे फॉर्मेट में शिमरोन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल और रोमारियो शेफर्ड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं, जिनमें किसी भी स्थिति में मैच का रुख पलटने का दम है। यह तीनों लंबे-लंबे छकाने लगाने के लिए भी मशहूर हैं। हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा के नाम भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 मैचों में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2009 से 2022 के दौरान 22 मैचों में 693 रन बनाए, जिसमें 39 सिक्स उड़ाए। रोहित टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके और भारत के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट में एक्टिव हैं। उनके बाद लिस्ट में वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ सबसे छोटे फॉर्मेट में 20 मुकाबलों में 592 रन बनाए और 35 छक्के जमाए। हालांकि, पूरन आगामी सीरीज में वेस्टइंडीज के स्कॉड का हिस्सा नहीं हैं। अनुभवी बल्लेबाज एविन लुईस ने भारत के सामने 9 टी20 मैचों में 33 रन बटोरे और 28 सिक्स ठोके। वह भी वेस्टइंडीज टीम में शामिल नहीं हैं। रोहित शर्मा का भारत-वेस्टइंडीज टी20 मैचों में सबसे ज्यादा सिक्स उड़ाने का रिकॉर्ड खतरे में हैं। शिमरॉन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल लिस्ट में नंबर-1 बनने के दावेदार हैं। हेटमायर फिलहाल सूची में चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने भारत के विरुद्ध 28 मुक़ाबलों में 422 रन बनाए हैं, जिसमें 28 सिक्स जड़े। उन्हें आगामी टी20 सीरीज में रोहित का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 12 छकों की जरूरत है।